

बिलासपुर, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन



E-mail: eksatbulletin@gmail.com | बिलासपुर,मंगलवार 6 अगस्त 2026 | वर्ष-07, अंक-306 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सुप्रीम कोर्ट बोला-अपराधियों में मौत का डर पैदा करना जरूरी



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में नाबालिगों से गैंगरेप की 3 घटनाओं पर कहा, जब तक अपराधी के मन में मौत का डर नहीं होगा, तब तक ऐसे अपराध नहीं रुकेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि केवल चीजों को कागज पर लिखना पर्याप्त नहीं है, सख्त कार्रवाई करनी होगी। जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सख्त होने से हिचकिचाएं नहीं।बेंच ने कहा कि कुछ लोग अनुच्छेद 21 यानी मानव अधिकार का हवाला देकर सवाल उठाएंगे, लेकिन पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है।

क्या है उत्तराखंड का 'आंगन मिलन' कार्यक्रम बच्चों और महिलाओं के लिए सरकार ने बताया खास



नई दिल्ली।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रारंभिक बाल्यावस्था जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा के आंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआ भुड़ाई में आयोजित आंगन मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं, माताओं तथा आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकत्रियों से आत्मीय र सेवाओं की जानकारी ली।

जीएसटी ऑफिसर अब किसी कारोबारी को सीधे नहीं कर पाएंगे गिरफ्तार



नई दिल्ली। जीएसटी में टैक्स चोरी और फर्जीवाड़े से जुड़े कई नियम बदल सकते हैं। सरकार आगामी 7 अक्टूबर को होने वाली जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में इंफोर्समेंट से जुड़े नियमों में सुधार कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबित, सबसे बड़ा बदलाव गिरफ्तारी से जुड़े नियमों में हो सकता है। नए नियमों में अब किसी कारोबारी को गिरफ्तार करने से पहले अदालत की मंजूरी जरूरी हो सकती है। फिलहाल ज्ञस्ञ अधिकारी ष्टज्ञस्ञ एक्ट की धारा 69 के तहत कुछ गंभीर मामलों में गिरफ्तारी कर सकते हैं। इसके लिए कमिश्नर स्तर के अधिकारी की पूर्व मंजूरी जरूरी होती है। टैक्स चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी या गलत रिफंड जैसे मामलों में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम शामिल होने पर यह कार्रवाई की जा सकती है।

अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद के बीच ललन सिंह से मिले नीतीश कुमार, सुलह की हुई कोशिश



नई दिल्ली।बिहार में अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। सुलह कराने के लिए नीतीश ने ललन से मुलाकात की। ललन सिंह ने अनंत सिंह से बात कर उन्हें सार्वजनिक बयानबाजी से रोकने का प्रयास किया।बिहार में अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद के बीच ललन सिंह से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहुंचे। वो अचानक ललन सिंह के आवास पर पहुंचे। ललन सिंह को दोनों के बीच सुलह कराने की जिम्मेदारी मिली है। अनंत सिंह पहले ही कह चुके हैं कि वो किसी की नहीं सुनेंगे। इस मुलाकात के बाद ललन सिंह ने अनंत सिंह की तरफदारी की।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का राज्य स्तरीय शिविर पचमढ़ी में प्रारंभ

बिलासपुर जिले के 40 स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स होंगे शामिल



एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव ब्रजेश बाजपेयी के दिशानिर्देशन में राज्य मुख्यालय रायपुर के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर का आयोजन मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 05 से 09 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है।शिविर में बिलासपुर जिले के 40 स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स एवं प्रभारी शामिल होंगे। प्रतिभागियों के प्रस्थान से पूर्व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र नगर, बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें आवश्यक सामग्री प्रदान की गई।

इस अवसर पर राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट रविश गुप्ता, जिला मुख्य आयुक्त राजेन्द्र कुमार साहू, जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर संदीप पाण्डेय, जिला आयुक्त गाइड आरती राय एवं सहायक राज्य आयुक्त स्काउट भूपेंद्र शर्मा ने प्रतिभागियों को एडवेंचर किट बैग, ट्रैक सूट, पानी की बोतल एवं आईडी कार्ड प्रदान कर शिविर में सफल सहभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं।प्रतिभागियों के साथ प्रभारी के रूप में राजेन्द्र कौशिक तथा गाइड प्रभारी के रूप में मिन्दू सांडे सहभागिता करेंगी।कार्यक्रम के अवसर पर जिला सचिव लता यादव, डीओसी स्काउट महेन्द्र बाबू टंडन, डीओसी गाइड डॉ. पूनम सिंह, स्काउटर विकास लहरे, गाइडर संध्या तिवारी, रेवती साहू सहित जिले के रोवर्स कुलभूषण कुर्रे, प्रिंस सिंह मेरसा, ग्याश खान तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निवेश की प्रतिबद्धताएं मिलीं

सिंगापुर की एनर्जी कैपिटल ग्लोबल छत्तीसगढ़ में एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस में करेगी 41,750 करोड़ का निवेश



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ ने आज भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए सिंगापुर में आयोजित प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ (स्टृहृत्त) फोरम 2026 में ?43,250 करोड़ के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (स्नष्ठढ्ढ) की प्रतिबद्धताएं प्राप्त कीं। इनमें एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस के लिए ?41,750 करोड़ की एक बड़ी निवेश प्रतिबद्धता शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने फोरम में राज्य के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जहां छत्तीसगढ़ भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के नामांकन पर सहभागिता कर रहा था।

यह महत्वपूर्ण निवेश प्रतिबद्धता सिंगापुर मुख्यालय वाली एनर्जी कैपिटल ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आई है, जो छत्तीसगढ़ में 100 मेगावाट क्षमता का एआई-रेडी डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करेगी। एनर्जी कैपिटल ग्लोबल एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ऑन-साइट स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े एआई-रेडी डेटा सेंटर्स का विकास और वित्तपोषण करती है तथा इसकी उपस्थिति सिंगापुर, भारत, मलेशिया, कजाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया में है। मुख्यमंत्री ने फोरम में कंपनी को 'इन्विटेशन टू इन्वेस्ट' सौंपा।

यह निवेश प्रतिबद्धता छत्तीसगढ़ में डिजिटल क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों को और गति देती है। राज्य में पहले से ही भारत का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित है। ये परियोजनाएं मिलकर छत्तीसगढ़ को भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं।

चुनाव आयोग ने कानून तोड़ा तो फैसले रोक देंगे

सीजेआई बोले- फॉर्म 6 में बदलाव को मंजूरी नहीं दी; सीजे ने कहा था- इजाजत मिली

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर स्ढ्ढक्रसे जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है।सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। चुनाव आयोग, ष्टश्वष्ट ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया।

संविधान में सुप्रीम कोर्ट को ष्टश्वष्ट को सस्पेंड करने की कोई स्पष्ट या विशेष शक्ति नहीं दी गई है। आर्टिकल 324 के तहत चुनाव कराने और उसकी निगरानी की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है, लेकिन आयोग के फैसलों की कोर्ट में जांच हो सकती है। अगर कोई फैसला कानून या संविधान के खिलाफ पाया जाता है, तो सुप्रीम कोर्ट उस पर रोक लगा सकता है या उसे रद्द कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के बाद शुरू हुआ ज्ञानेश कुमार पर विवाद:इस पूरे मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें स्ढ्ढक्र को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था।रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर स्ढ्ढक्रप्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी।

विपक्ष अगले सत्र में महाभियोग लाने की तैयारी में

विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था लेकिन लोकसभा में वह प्रस्ताव खारिज हो गया था, जबकि राज्यसभा में अभी भी लंबित है।

ज्ञानेश कुमार पर एक्शन होगा या नहीं, 3 संभावनाएं

1. कार्यकाल के फैसलों पर पुलिस एक्शन नहीं हो सकता- ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023% की धारा 16 के तहत सुरक्षा मिली है। जब तक यह प्रावधान मौजूद है, उन्हें केवल पुलिस कार्रवाई या गिरफ्तारी के जरिए हटाना, उन पर केस चलाना कानूनी रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है।2. भाजपा ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया- ज्ञानेश कुमार का कार्यकाल जनवरी 2029 तक है, यानी अभी 2 साल कम से कम ज्ञानेश अपने पद पर रहेंगे।

डिब्रूगढ़ टू ढाका

80 साल बाद फिर ब्रह्मपुत्र के रास्ते शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय कारोबार

ब्रह्मपुत्र से बांग्लादेश फिर ढाका तक सफर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

आजादी के करीब 80 साल बाद असम के डिब्रूगढ़ से पहली अंतरराष्ट्रीय कार्गो खेप बांग्लादेश के लिए रवाना हुई। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बोगीबील टर्मिनल से इस पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस कार्गो में 1,080 टन मेथनॉल है, जिसे असम पेट्रो-केमिकल्स लिमिटेड यानी ब्रह्मपुत्र ने तैयार किया है। दो जहाजों में कुल 54 ढ्ढस्ह्व टैंक कंटेनर लदे हैं और हर कंटेनर में करीब 20 टन मेथनॉल है। दोनों जहाजों में 540-540 टन माल ले जाया जा रहा है।



यह कार्गो बोगीबील से नेशनल वॉटरवे-2 यानी ब्रह्मपुत्र के रास्ते आगे बढ़ेगा। इसके बाद जहाज भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल रूट के जरिए बांग्लादेश में प्रवेश करेंगे और ढाका के पंगाओं बंदरगाह तक पहुंचेंगे। बोगीबील से बांग्लादेश सीमा तक करीब 783 किलोमीटर का जलमार्ग है और इस हिस्से को तय करने में लगभग सात दिन लगने का अनुमान है। अब असम के औद्योगिक इलाके से तैयार हुआ माल अब सड़क या रेल के बजाय नदी के रास्ते सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने की नई संभावना के साथ रवाना हुआ है।

IGI एयरपोर्ट पर कस्टम्स की बड़ी कार्रवाई

बैंकॉक आए यात्री से 3 करोड़ की ज्वेलरी-कीमती पत्थर जब्त



नई दिल्ली।दिल्ली केढ्ढस्नढ्ढ एयरपोर्ट पर कस्टम्स ने बड़ी कार्रवाई की है। बैंकॉक से आए यात्री के पास से करीब करीब 3।04 करोड़ के कीमती पत्थर और ज्वेलरी बरामद किए गए। यात्री 2 अक्टूबर को बैंकॉक से फ्लाइट से दिल्ली आया था। 3 अक्टूबर को टर्मिनल-3 पर जांच के दौरान पकड़ा गया। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि कस्टम अधिकारियों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर एक आदमी को रोका और उसके बाद उससे जुड़ी जगहों पर तलाशी ली।

अनुराग ठाकुर, राहुल-सोनिया गांधी समेत कई नेताओं को हेट स्पीच मामले में राहत, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिकाएं

दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों और 2019 की जामिया हिंसा की विशेष जांच दल से जांच कराने की सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाएं दो हिस्सों में थीं।दिल्ली हाई कोर्ट ने कथित तौर पर हेट स्पीच देने और उसकी वजह से कथित तौर पर फरवरी 2020 के नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली दंगे होने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। जस्टिस विवेक चौधरी और मनोज जैन की डिवीजन बेंच ने सोमवार को उन याचिकाओं का एक बैच भी खारिज कर दिया, जिनमें 2019 में नागरिकता संशोधन एक्टके खिलाफ एक मार्च के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया में हुए कथित पुलिस अत्याचार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) से जांच की मांग की गई थी।यह आदेश उन याचिकाओं के एक बैच में पारित किया गया था, जिनमें सीएए और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टरके विरोध प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों के लिए राजनेताओं के खिलाफ दिल्ली में दंगे भड़काए और 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई।

बीजेपी से गठबंधन किए बगैर पंजाब में सरकार बना पाना मुश्किल है

क्या गठबंधन करेगा अकाली दल सर्वे में बिना बीजेपी सरकार बना पाना मुश्किल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पंजाब विधानसभा चुनाव को अब चंद ही महीनों का वक्त बचा है, ऐसे में तमाम राजनीतिक पार्टियों हर संभव प्रयास कर रही हैं कि प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ें और सरकार बनाने की स्थिति में आ सकें। इसी बीच शिरोमणि अकाली दल के द्वारा एक सर्वे करवाया गया, जिसमें ये बात सामने आई है कि बिना बीजेपी के साथ गठबंधन के अकाली दल और बीजेपी दोनों ही पार्टियों सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आ सकती हैं। यानी बीजेपी से गठबंधन किए बगैर पंजाब में सरकार बना पाना मुश्किल है।

इससे पहले भी शिरोमणि अकाली दल के द्वारा ऐसे ही दो अन्य सर्वे भी करवाए गए थे जिसमें भी पंजाब की जनता



ने अलग-अलग चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन को मजबूत बताया गया है। शिरोमणि अकाली दल बादल ने बीजेपी के साथ गठबंधन करने को लेकर पिछले कुछ महीनों में अलग-अलग फेज में सर्वे करवाया।

शहरी और ग्रामीण सीटों पर बढ़ा बीजेपी का ग्राफ

शिरोमणि अकाली दल के सर्वे में एक बात ये भी सामने आई कि बीजेपी का ग्राफ शहरी सीटों के साथ-साथ ग्रामीण सीटों पर भी बढ़ रहा है। ग्रामीण सीटों पर भी गठबंधन में चुनाव लड़ने पर फायदा मिल सकता है।

शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन

सूत्रों के मुताबिक शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है। अब शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) को एडजस्ट करने की प्रक्रिया चल रही है। बीजेपी शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) को गठबंधन का हिस्सा बनाना चाहती है। बीजेपी अकाली दल (पुनर सुरजीत) को अपने हिस्से की सीटों में से 8-10 सीटें देने को तैयार भी हो गई है। शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) की एडजस्टमेंट की प्रक्रिया पूरी ना होने के कारण गठबंधन की घोषणा में देरी हो रही है।

न्यूज इन शॉर्ट

मजदूरी करने वाले आदिवासी रामलाल को जनमन आवास से मिली नई खुशियां

कोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के जीवन में जनमन योजना से एक बड़ा बदलाव किया है। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत गेजी में रहने वाले रामलाल का दैनिक जीवन सिर्फ मजदूरी से मिलने वाली आय पर निर्भर है। ऐसे में परिवार के लिए एक पक्की छत बना पाना शायद उनके लिए असंभव जैसा था। प्रधानमंत्री जनमन आवास ने उन्हे अपने पक्के मकान का मालिक बना दिया है। ऐसे में इस परिवार के लिए अपना सामाजिक स्थायित्व और एक अलग मकान उनकी पहचान बन गया हैं।कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद पंचायत का दूरस्थ ग्राम पंचायत गेजी एक अनुसूचित जनजाति बाहुल्य गांव है। यहां अधिकांष बैगा परिवार निवास करते हैं। सभी के पास थोड़ी बहुत खेती और अकुषल रोजगार के लिए परिश्रम ही उनका दैनिक जीवन है। ऐसे ही परिवार के निवासी रामलाल के लिए भी मजदूरी करके अपना पक्का मकान बना पाना आसान नहीं था। यह एक ऐसी कल्पना थी जिसे प्रधानमंत्री की सोच ने हकीकत में बदल दिया।रामलाल पहले कच्चे घर में रहते थे। बारिश ठंड के मौसम मे अपने छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अक्सर पति पत्नी को रातों में नींद नहीं आती थी। उनकी देखरेख करने की परेशानी से संघर्ष करने वाले इस परिवार ने बताया कि जब से प्रधानमंत्री जनमन योजना से आवास मिला है हर परेशानी समाप्त हो गई है। पहले बारिश और ठंड के मौसम में परिवार की सुरक्षा को बेहद परेशानियां होती थीं लेकिन अब हर कोई दिक्कत नहीं हैं। ग्राम पंचायत गेजी में रहने रामलाल के लिए प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत बना हुआ पक्का मकान उनकी समस्याओं का निराकरण ही नहीं बल्कि उनकी अपनी सामाजिक पहचान भी बन गया है। खुश होकर रामलाल ने कहा कि क्या चिंता करना जब देश के मुखिया को हमारी चिंता है। प्रधानमंत्री जनमन से बने पक्के आवास ने उन्हें एक ऐसा उपहार दिया है जिससे उनके बच्चों की सुरक्षा की चिंता समाप्त हो गई है।

बिहान की मदद से सफल व्यवसायी के तौर पर पहचान बना रहीं हैं रेणुबाला'

कोरिया। सामाजिक परिवेश में केवल गृहिणी की भूमिका तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से सफल व्यवसायी के रूप में पहचान स्थापित कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से महिलाओं को न केवल सामूहिक मंच मिला है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह भी मिली है।कोरिया जिले के विकासखंड सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत कटगोड़ी की श्रीमती रेणुबाला जायसवाल आज इसी बदलाव की मिसाल बन चुकी हैं।रेणुबाला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं और बाद में सत्यम महिला स्व-सहायता समूह में अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से उन्होंने समूह के माध्यम से बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और कपड़ा दुकान का व्यवसाय प्रारंभ किया। इस पहल से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और वे आत्मनिर्भर बनीं।रेणुबाला ने बताया कि शुरुआत में वे समूह की सदस्य के रूप में छोटे लेनदेन से जुड़ी रहीं। बाद में समूह को आरएफ राशि तथा सीआईएफ के रूप में 60 हजार रुपये प्राप्त हुए। सफल संचालन के बाद बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने कपड़ा व्यवसाय को विस्तार दिया। पहले उनके परिवार की वार्षिक आय लगभग 70 हजार रुपये थी, जो अब बढ़कर 2 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है।आर्थिक रूप से सशक्त होने के बाद उनके सामाजिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। पहले वे केवल गृहिणी के रूप में जिम्मेदारी निभाती थीं, लेकिन अब परिवार के हर महत्वपूर्ण निर्णय में उनकी सक्रिय भागीदारी होती है। वे परिवार के सदस्यों के साथ आसपास के हाट-बाजारों में भी कपड़े का व्यवसाय कर रही हैं। रेणुबाला अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित

सेवा सेतु शिविर, धान खरीदी की तैयारियों, स्वास्थ्य एवं शिक्षा कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही से कार्य करते हुए नियमित क्षेत्रीय भ्रमण कर मैदानी क्रियान्वयन की निगरानी करें।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु शिविर की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविरों में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को विभागीय टीम के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक पात्र नागरिक को केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करना लक्ष्य है। इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर विभागीय सेवाओं की



उपलब्धता तथा आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 06 अक्टूबर को भैयाथान विकासखंड के ग्राम करकोटी एवं ओड़गी के दवनसरा तथा 07 अक्टूबर को प्रतापपुर के डांडकरवा में शिविर आयोजित होगा। सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।धान खरीदी वर्ष 2026-27 की तैयारियों एवं कृषक पंजीयन की प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने को कहा। उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के शेष कार्य भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक नागरिकों की जांच और स्क्रीनिंग कराने तथा शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड शीघ्र बनाने को कहा। उन्होंने यू-विन पोर्टल एवं राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम की प्रगति की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती जमील ने टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के के निर्देश दिए। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं अवकाश की स्थिति की समीक्षा करते उन्होंने लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के लिए उन्होंने पालकों से संवाद कर अनुपस्थित बच्चों को नियमित अध्ययन से जोड़ने को कहा।कलेक्टर ने सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों को समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए।, जिससे यातायात सुगम रहे और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

'प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली श्रीमती लीलावती और जगमोहन की जिंदगी'

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

कोरिया जिले के जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत उमझर निवासी श्रीमती लीलावत्ती और उनके पति जगमोहन की दैनिक जीवन शैली एक सामान्य किसान परिवार के धैर्य के साथ जारी संघर्ष और उम्मीद की सफलता की एक जीवंत मिसाल है। आज से कुछ समय पूर्व तक उनका जीवन अभावों से घिरा हुआ था। वे एक साधारण किसान और दिहाड़ी मजदूर हैं। मेहनत ही उनकी पूंजी है और दैनिक मजदूरी ही परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र साधन भी है।

इस तरह की परिस्थितियों के बीच पक्के मकान का सपना उनके लिए सपने जैसा ही था। यह परिवार जिस पुराने कच्चे मकान में निवास करता था उसकी हालत भी उनकी आर्थिक स्थिति की तरह जर्जर हो चुकी थी। बरसात का मौसम आते ही उनके परिवार पर चिंता के बादल मंडराने लगते थे। मकान की दीवारों में दरारें, छत से टपकता पानी और कभी भी ढह जाने का भय यह सब उनके जीवन का हिस्सा बन चुका था। हर वर्ष बारिश से पहले थोड़ी-बहुत बचत मकान की मरम्मत में खर्च करनी पड़ती थी। परिणामस्वरूप, उनकी आय का बड़ा हिस्सा अस्थायी सुधार में ही समाप्त हो जाता था, जिससे जीवन में आगे बढ़ने के अवसर और भी सीमित हो जाते थे।इन्हीं संघर्षों के बीच गत वर्ष उनके जीवन में आशा की किरण बनकर प्रधानमंत्री आवास योजना ने बड़ा परिवर्तन स्थापित कर दिया। इस योजना के अंतर्गत उनका चयन होने के उपरांत आवास पंजीयन कार्य हुआ और योजना के अंतर्गत उन्हे एक लाख बीस हजार रुपये की सहायता राशि तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुई।

ग्राम पंचायत स्तर तक प्रशासन के मैदानी कर्मचारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग से श्रीमती लीलावती और उनके पति जगमोहन ने निर्धारित समय-सीमा में अपने पक्के मकान का निर्माण कार्य पूर्ण किया।प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही इस परिवार को मनरेगा योजना के तहत नब्बे दिवस की अकुशल मजदूरी के बदले लगभग 22 हजार रूपए का पारिश्रमिक भी प्राप्त हुआ तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पक्के शौचालय का निर्माण भी हो गया।

खुशहाल और आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर रहा है।

'व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा बना आत्मनिर्भरता का आधार'

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया



कोरिया जिले के विकासखण्ड पोड़ी-बचरा अंतर्गत ग्राम बंजारीडांड़ निवासी श्री अशोक कुमार पाण्डेय के जीवन में व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा प्राप्त होने के बाद सकारात्मक और स्थायी बदलाव आया है। वर्षों से जिस भूमि पर वे खेती करते आ रहे थे, उस पर कानूनी स्वामित्व मिलने से उनका परिवार आज सुरक्षित, खुशहाल और आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत कर रहा है।

श्री अशोक कुमार पाण्डेय को शासन की योजना के अंतर्गत एक हेक्टेयर भूमि का व्यक्तिगत वन अधिकार मान्यता पत्र (पट्टा) प्रदान किया गया। इससे पहले यह भूमि वन विभाग के अभिलेखों में दर्ज होने के कारण उन्हें बेदखली की आशंका बनी रहती थी। वर्षों से काबिज होने के प्रमाण एवं आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा उन्हें यह पट्टा प्रदान किया गया, जिससे उनके भविष्य की चिंता दूर हो गई।श्री पाण्डेय ने बताया कि वे लंबे समय से धान की खेती कर रहे हैं। पट्टा मिलने के बाद उन्होंने पूरी मेहनत और लगन से खेती को आगे बढ़ाया। वर्तमान में वे इस भूमि पर धान, गेहूं एवं उड़द की फसल लेते हैं। हालिया उत्पादन में उन्होंने लगभग धान 40 क्विंटल, गेहूं 15 क्विंटल तथा उड़द 5 क्विंटल की उपज प्राप्त की है, जिससे उनके परिवार की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

परिवार में उनकी पत्नी एवं दो बच्चे हैं,।

जो नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री के निर्देश पर विद्यार्थियों को बड़ी राहत, अब जरूरी दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

शिक्षा मंत्री के निर्देश पर विद्यार्थियों को बड़ी राहत, अब जरूरी दस्तावेजों के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

लोक सेवा गारंटी के दायरे में आई माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाएं, तय समय-सीमा में होंगे विद्यार्थियों के काम

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक दस्तावेजों से जुड़े कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें अपने जरूरी दस्तावेज समय पर मिल सकें, इसे लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने पहल की है। मंत्री के निर्देश के बाद छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयबद्ध किए जाने की व्यवस्था की गई है। इससे विद्यार्थियों को अपने जरूरी शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की समस्या से राहत मिलेगी।

नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। दस्तावेज के अनुसार इन सेवाओं के लिए निर्धारित समय-सीमा भी तय की गई है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60



दिवस की समय-सीमा निर्धारित है। वहीं उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाओं के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के बाद 60 दिवस की समय-सीमा रखी गई है। मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही दस्तावेजों के लिए परेशान होना पड़े, यह स्थिति स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक दिन महत्वपूर्ण होता है। उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए समय पर दस्तावेज उपलब्ध होना जरूरी है। ऐसे में विद्यार्थियों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी पढ़ाई और अपने भविष्य पर ध्यान दें।

अपने काम से लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल हुईं शिवाली सिंह

एक सत बुलेटिन ➤ 'कोरिया

महिलाओं को एकजुट कर उन्हे सफल व्यवसायी के तौर पर आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान का एक महत्वपूर्ण योगदान है। इस योजना से जुड़कर अनेकोनेक महिलाएं अब आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन जी रही हैं।

साथ ही यह कार्य सामाजिक मजबूती के लिए भी बेहद सकारात्मक माहौल बना रहा है। ऐसी ही एक महिला हैं षिवाली सिंह जिन्होने बिहान से जुड़कर अपना कार्य आरंभ किया और अब परिवार मे नियमित आय कमाने वाली सदस्य के तौर पर उनका एक अलग मुकाम है। परिवार के हर निर्णय उनके निर्णय से प्रभावित होते हैं।

सामान्य जीवन की शुरुआत

पहले केवल किसान के परिवार की एक सामान्य घरेलू महिला के तौर पर शिवाली सिह का दैनिक जीवन गुजर रहा था। यह केवल सामान्य जीवन नहीं होकर आर्थिक संकट का भी दौर था क्योंकि शिवाली के पास स्वयं की आय का कोई साधन नहीं था। ऐसे में हर कार्य के लिए वह परिवार पर निर्भर रहती थीं। उनके पास इच्छा शक्ति तो थी लेकिन वह माध्यम नहीं ढूंढ पा रही थीं।शिवाली सिंह के सामान्य जीवन में इसी बीच बिहान योजना का आगमन हुआ। इसमें वह महिला स्व सहायता समूह की सदस्य बनीं और उनके विचारों को पंख मिले। पहले आपसी लेन देन से व्यवसायिक हुनर बढ़ा और इसी को विस्तार देते हुए षिवाली सिंह ने समूह के माध्यम से 1 लाख 70 हजार का ऋण प्राप्त कर अपने हुनर को आगे बढ़ाया।

सिलाई के साथ किराने की दुकान

षिवाली सिंह ने बताया कि उनको सिलाई कढ़ाई का कार्य आता था। बिहान के माध्यम से प्राप्त ऋण राषि से उनहोने अपने लिए सिलाई मषीन तथा एक किराने की दुकान खोली। अब वह इन दोनों कार्यों से प्रतिवर्ष एक लाख रूपए से ज्यादा का लाभ अर्जित कर रही हैं और बिहान की लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी हैं। उन्होने बताया कि अब परिवार में वह सबसे अधिक आय कमाने वाली सदस्य हैं और इससे उनका पारिवारिक महत्व बढ़ गया है।

रायपुर में कहा- प्रायोरिटी स्टेट में शामिल; चुनाव लड़ेगी भूपेश बोले- आने दीजिए

चिराग बोले- छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में पिता के समर्थक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजनीति में अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अपनी मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी में है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि(रामविलास) छत्तीसगढ़ में भी चुनाव लड़ेगी।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उन राज्यों में शामिल है, जहां उनके पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के समर्थक बड़ी संख्या में रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पार्टी का संगठन भी मजबूत है। ऐसे में पार्टी अब यहां अपनी राजनीतिक और चुनावी सक्रियता बढ़ाएगी।चिराग पासवान ने कहा कि (रामविलास) छत्तीसगढ़ में संगठन को और मजबूत करने के साथ आगे बढ़ने की दिशा में काम करेगी। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वह आएं और अपनी पार्टी



चुनाव में उतारें।

चिराग बोले- संगठन की स्थिति भी यहां मजबूत दरअसल, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान रविवार दोपहर रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट से वे सीधे जेल रोड स्थित मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित युवा संवाद 2026 कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से संवाद किया।इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ में पार्टी के विस्तार की वजह बताते हुए अपने पिता रामविलास पासवान से जुड़े पुराने जनसमर्थन का हवाला दिया। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में उनके पिता के समर्थकों की संख्या काफी रही है और पार्टी के संगठन की स्थिति भी यहां मजबूत है।

चिराग पासवान ने कहा कि इसी आधार पर पार्टी राज्य में अपनी गतिविधियां बढ़ाने और चुनावी राजनीति में उतरने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा उन्होंने युवाओं के साथ संवाद जरूरी बताया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि वहां पार्टी की भूमिका अभी तय होना बाकी है।उन्होंने नागालैंड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एलजेपी के दो विधायक हैं, लेकिन पार्टी ने गठबंधन से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। यूपी में भी हम तैयार हैं।

संकट में संपर्क का सेतु बनेगा अपना हेल्प क्यू आर, सड़क सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन की पहल

सड़क सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता के लिए पायलट परियोजना के रूप में शुरू हुई सेवा

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

सड़क दुर्घटना के बाद वाहन चालक के परिजनों तक जल्द सूचना पहुंचानी हो या रास्ता बाधित कर खड़े वाहन के मालिक को जानकारी देनी हो, वाहन पर लगा अपना हेल्प क्यू आर संपर्क स्थापित करने में मदद करेगा। नागरिकों की सड़क सुरक्षा और आपातकालीन सहायता के लिए जिला प्रशासन सूरजपुर ने इस सेवा की शुरुआत पायलट परियोजना के रूप में की है। सुरक्षा आपकी, जिम्मेदारी हमारी संदेश के साथ शुरू की गई यह सुविधा दोपहिया और चार पहिया वाहनों सहित सभी वाहनों के लिए निःशुल्क है।

आपात स्थिति में परिजनों तक पहुंचेगी सूचना

दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति में अपना हेल्प क्यू आर के माध्यम से वाहन मालिक और उनके परिवार के सदस्यों से शीघ्र संपर्क स्थापित किया जा सकेगा। इसके लिए पैरेलल कॉल और तकनीक आधारित संपर्क व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। संबंधित सूचना और अलर्ट व्हाट्सएप पर भी प्राप्त हो सकेगा। इससे मौके पर सहायता कर रहे लोगों को परिजनों तक सूचना पहुंचाने में सुविधा होगी।दुर्घटना या चिकित्सकीय आपात स्थिति में यह सेवा एम्बुलेंस सहायता प्राप्त करने में मददगार होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा के दौरान आवश्यकता पड़ने पर एनएचएआई से जुड़ी आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच बनाने में भी इसका उपयोग किया जा सकेगा।

गलत पार्किंग की सूचना भी पहुंचेगी वाहन मालिक तक गलत स्थान या नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहन के कारण रास्ता बाधित होने पर अपना हेल्प क्यू आर के माध्यम से वाहन मालिक तक इसकी सूचना पहुंचाई जा सकेगी। इससे मालिक को वाहन हटाने की जानकारी समय पर मिलेगी और अनावश्यक विवाद से बचने में मदद होगी। यह पहल वाहन मालिक से संपर्क करने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक माध्यम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

ब्लैक स्पॉट और ब्लाइंड स्पॉट पर भी उपलब्ध कराई जाएगी सुविधा

जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट और ब्लाइंड स्पॉट पर भी अपना हेल्प क्यू आर सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इससे इन स्थानों पर किसी दुर्घटना या अन्य आपात स्थिति में आमजन को सहायता से जुड़ने में सुविधा होगी।अपने वाहन पर अपना हेल्प क्यू आर लगवाने के इच्छुक नागरिक +91-6267983382 पर संपर्क कर सकते हैं। सेवा से संबंधित अधिक जानकारी पर भी उपलब्ध है।कलेक्टर ने नागरिकों से सेवा का लाभ लेने की अपील कीकलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के नागरिकों से अपने वाहनों पर निःशुल्क अपना हेल्प क्यू आर लगवाने की अपील की। शीघ्र सूचना पहुंचाना आवश्यक है।

न्यूज इन शॉर्ट

छत्तीसगढ़ में सिंचाई और विकास को बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों के विकास और किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत जशपुर जिले के विकासखंड-कांसाबेल अंतर्गत मैनी एनीकट के निर्माण कार्य के लिए 70 करोड़ 99 लाख 57 हजार रुपये (70.99 करोड़ रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस एनीकट के निर्माण से क्षेत्र में भू-जल स्तर में सुधार होगा और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। जशपुर के किसानों को कृषि के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलेगा। इस योजना से कुल 1500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। खरीफ फसल के 1300 हेक्टेयर क्षेत्र में और रबी फसल के 200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। इस एनीकट के बनने से क्षेत्र के किसानों की आय में वृद्धि होगी और कृषि उत्पादन को भी नया संबल मिलेगा। स्थानीय नागरिकों के लिए निस्तारी और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस परियोजना से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा भी सुगम होगी।

बालोद में सेवा ज्योति कलश यात्रा को लेकर तैयारियां तेज

बालोद। सेवा संकल्प अभियान 'जन सेवा ही प्रभु सेवा' के तहत जिले में सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों की सहभागिता रहेगी।बालोद जिले के लिए जारी कार्यक्रम सूची के अनुसार राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडेय तथा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर सेवा ज्योति कलश यात्रा कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल होंगे।कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। यात्रा के दौरान जिले में सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जुड़े संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितंबर से 18 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। सेवा ज्योति कलश यात्रा भी इसी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में जिले के नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 7-8 अक्टूबर को रायपुर के इंडोर स्टेडियम'

रायपुर।प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को राजधानी रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में और कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब की अध्यक्षता में आयोजित इस रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों के 8 हजार से अधिक रिक्त पदों पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।सचिव कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग ड. बसवराजू एस. ने बताया कि द्वारा रोजगार मेले में प्रदेश के वृहद उद्योगों एवं निजी प्रतिष्ठानों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रिक्त पदों के लिए युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। इच्छुक युवा मतवरहंत.बह.हवअ.पद (ई-रोजगार पोर्टल) पर उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी प्राप्त करने के साथ रोजगार मेले के लिए अपना पंजीयन भी करा सकते हैं। राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार मेलों में चयनित आवेदकों को कार्यक्रम के दौरान ऑफर लेटर प्रदान किए जाने की भी तैयारी की गई है। इसके साथ ही रोजगार मेले में आने वाले युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं उद्योगों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त करने और अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार के लिए आवेदन करने का अवसर मिलेगा। रोजगार मेले में अधिकाधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों सहित विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

हर महीने मिलने वाले एक हजार रुपये से संवारी सब्जी-बाड़ी, बच्चों की पढ़ाई में भी मिल रहा सहारा

अब जरूरतों के लिए नहीं फैलाने पड़ते हाथ, महतारी वंदन से आत्मनिर्भरता की राह पर ईश्वरी

एक सत बुलेटिन ➤ पेण्ड्रा

जीपीएम जिले के पेण्ड्रा विकासखण्ड के दूरस्थ वनांचल ग्राम बम्हनी की 40 वर्षीय ईश्वरी मरकार के लिए हर महीने बैंक खाते में आने वाले एक हजार रुपये महज आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार बन गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का सदुपयोग कर ईश्वरी ने अपने घर के पीछे की जमीन पर सब्जी-बाड़ी विकसित की है। इस बाड़ी से न केवल उनके परिवार को ताजी सब्जियां मिल रही हैं, बल्कि अतिरिक्त उपज बेचकर उन्हें आमदनी भी हो रही है।

कभी ईश्वरी की जिंदगी में ऐसे दिन भी थे, जब घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें दूसरों से पैसे उधार मांगने पड़ते थे। कई बार जरूरत बेहद जरूरी होती थी, लेकिन



उधार भी नहीं मिल पाता था। ऐसी परिस्थितियां उन्हें हताश कर देती थीं। सीमित आय में घर की जरूरतों और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च पूरा करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी।

एक हजार रुपये की सहायता को बनाया आमदनी का जरिया

ईश्वरी ने महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को केवल घरेलू जरूरतों पर खर्च करने के बजाय इसका एक हिस्सा अपनी सब्जी-बाड़ी में लगाना शुरू किया। उन्होंने घर के पीछे उपलब्ध जमीन पर विभिन्न प्रकार की सब्जियां उगाई हैं। इन सब्जियों का उपयोग परिवार के भोजन में किया जाता है और अतिरिक्त उपज को बाजार में बेचकर वे अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर रही हैं। इस पहल से एक ओर परिवार के लिए सब्जियों पर होने वाला खर्च कम हुआ है, वहीं दूसरी ओर बाजार में सब्जियां बेचने से आय का एक छोटा लेकिन नियमित जरिया भी तैयार हुआ है। घर के पीछे की यह छोटी-सी बाड़ी अब ईश्वरी के लिए केवल सब्जियां उगाने की जगह नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते उनके कदमों की पहचान बन गई है महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग ईश्वरी अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की जरूरतों को पूरा करने में भी कर रही हैं। हर महीने एक निश्चित राशि मिलने से परिवार के बजट में राहत मिली है और बच्चों की छोटी-छोटी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिल रही है। और सही सोच से जुड़ती है, तो वह जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन सकती है।

8 किमी की दुर्गम राह, फिर बेंगपाल में स्वास्थ्य शिविर; 106 ग्रामीणों की हुई जांच



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बैलाडीला की पहाड़ियों के अंतिम छोर पर बसे पहुंचविहीन ग्राम बेंगपाल तक स्वास्थ्य विभाग का अमला 8 किलोमीटर का दुर्गम और पथरीला सफर पैदल तय कर पहुंचा। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत यहां पेड़ की छांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जहां ग्रामीणों को जांच, उपचार और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श की सुविधा दी गई।

फिर बेंगपाल में स्वास्थ्य शिविर; 106 ग्रामीणों की हुई जांच

शिविर में 106 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। मलेरिया की जांच के लिए शिविर में पहुंचे सभी ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। 30 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामीणों का बीपी और ब्लड शुगर जांचा गया। गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया, वहीं बच्चों का आवश्यक नियमित टीकाकरण भी किया गया।स्वास्थ्य अमले ने ग्रामीणों का नेत्र परीक्षण भी किया। जांच के दौरान मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हांकित कर ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। पात्र ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों तहत कार्ड भी तैयार किए गए।

छत्तीसगढ़ में सिंचाई और विकास को बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों के विकास और किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत जशपुर जिले के विकासखंड-कांसाबेल अंतर्गत मैनी एनीकट के निर्माण कार्य के लिए 70 करोड़ 99 लाख 57 हजार रुपये (70.99 करोड़ रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस एनीकट के निर्माण से क्षेत्र में भू-जल स्तर में सुधार होगा और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।जशपुर के किसानों को कृषि के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलेगा। इस योजना से कुल 1500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। खरीफ फसल के 1300 हेक्टेयर क्षेत्र में और रबी फसल के 200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। इस एनीकट के बनने से क्षेत्र के किसानों की आय में वृद्धि होगी और कृषि उत्पादन को भी नया संबल मिलेगा। स्थानीय नागरिकों के लिए निस्तारी और पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस परियोजना से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा भी सुगम होगी।

लेमन ग्रास की खुशबू से महक रही आत्मनिर्भरता, जीपीएम की महिलाएं बढ़ रहीं 'लखपति दीदी' बनने की राह पर

लेमन ग्रास की खुशबू से महक रही आत्मनिर्भरता, जीपीएम की महिलाएं बढ़ रहीं 'लखपति दीदी' बनने की राह पर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तिकरण के संकल्प को साकार कर रही बिहान की दीदियां'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को मिल रहा नया आधार, अमारू में 20 एकड़ में लेमन ग्रास की खेतीरायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य और वनौषधीय संपदा के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाले गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की वादियों में इन दिनों एक नई खुशबू फैल रही है। यह खुशबू केवल लेमन ग्रास की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, समृद्धि और महिला सशक्तिकरण की है। कभी परिवार की सीमित आय में घर-गृहस्थी संभालने वाली ग्रामीण महिलाएं आज संगठित होकर खेती और स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक ताकत बन रही हैं। ग्राम अमारू में बिहान योजना से जुड़ी महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों ने लेमन ग्रास की खेती के जरिए 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में एक नई शुरुआत की है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर 'लखपति दीदी' के रूप में आगे बढ़ाने की परिकल्पना को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के समन्वय से महिलाओं को स्वसहायता समूहों से जोड़ने के साथ उन्हें आर्थिक सहायता, बैंक लिंकेज, प्रशिक्षण और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जीपीएम जिले में लेमन ग्रास जैसी औषधीय और व्यावसायिक फसलों को ग्रामीण महिलाओं की आय का नया माध्यम बनाने की पहल की गई है।जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम अमारू में गठित 10 महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं ने लगभग 20 एकड़ भूमि पर सामूहिक रूप से लेमन ग्रास की खेती शुरू की है। इनमें ज्योति महिला समूह, महामाया समूह, जय संतोषी माता समूह और हनी समूह सहित अन्य स्वसहायता समूह शामिल हैं। महिलाओं का यह सामूहिक प्रयास केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में उपलब्ध भूमि और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग से स्थायी ग्रामीण आजीविका का एक नया मॉडल तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



खेतों से निकलेगा सुगंधित तेल, बाजार से जुड़ेगी महिलाओं की मेहनत

लेमन ग्रास एक सुगंधित एवं औषधीय पौधा है, जिससे प्राप्त तेल का उपयोग विभिन्न उत्पादों में किया जाता है। ग्राम अमारू की महिलाएं इसकी खेती के बाद तेल निकालकर खुले बाजार और औषधीय संस्थानों तक पहुंचाने की तैयारी कर रही हैं। इससे खेती को सीधे बाजार से जोड़कर महिलाओं की आय बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।ज्योति महिला समूह की सदस्य श्रीमती गायत्री काशीपुरी ने बताया कि उनके समूह की 11 सदस्य पादप औषधि बोर्ड के सहयोग से लेमन ग्रास की खेती कर रही हैं। उन्होंने बताया कि लेमन ग्रास से तेल निकालकर बाजार एवं औषधीय संस्थानों में बेचा जाएगा। इसका उपयोग चाय, इत्र तथा विभिन्न औषधीय उत्पादों में किया जाता है। श्रीमती गायत्री ने उत्साह के साथ कहा कि समूह की महिलाएं इस खेती को आने वाले समय में और विस्तार देना चाहती हैं।

सरकारी मदद ने बढ़ाया हौसला, आजीविका के खुले कई रास्ते

महामाया समूह की श्रीमती सुशीला भानू, जय संतोषी माता समूह की श्रीमती पाबरिया भानू और हनी समूह की श्रीमती पूजा ध्रुव ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद महिलाओं के लिए आजीविका के कई नए रास्ते खुले हैं। समूहों को 15 हजार रुपये की चक्रीय राशि, 60 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक लिंकेज का लाभ मिला है।
इस आर्थिक सहयोग और समूह की सामूहिक शक्ति के बल पर महिलाएं आज केवल लेमन ग्रास की खेती ही नहीं कर रही हैं, बल्कि सेंटरिंग प्लेट व्यवसाय, टेंट हाउस, सब्जी बाड़ी, किराना दुकान, बकरी पालन और मुर्गी पालन जैसी विभिन्न आजीविका गतिविधियों से भी जुड़ रही हैं। इससे महिलाओं की स्वयं की आय बढ़ने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और उनमें निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

'लखपति दीदी' के संकल्प की ओर मजबूत कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वसहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं की वार्षिक आय बढ़ाकर उन्हें 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा है। छत्तीसगढ़ में साय सरकार द्वारा भी ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार और आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जीपीएम जिले के अमारू में लेमन ग्रास की खेती इसी दिशा में संभावनाओं से भरा प्रयास है।

नई शुरुआत

शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार प्रदान किया।

विश्व पर्यावास दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में छत्तीसगढ़ पुरस्कृत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को किफायती एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। ईडब्ल्यूएस-एलआईजी वर्ग के लिए भूमि आरक्षण तथा एएचपी के माध्यम से आवास उपलब्ध कराने की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के लिए भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया है। विश्व पर्यावास दिवस के अवसर पर आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार प्रदान किया।

के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सुमित अग्रवाल ने सम्मान ग्रहण किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास की उपलब्धता



बढ़ाने के साथ ही उन्हें बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा आवासीय परियोजनाओं की स्वीकृति, भूमि की उपलब्धता, निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता तक प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी की जा रही है।द्यह्यश्र ऋद्धड्डस्र - प्रिंस ढाबा तोड़ने पहुंचा प्रशासन, संचालक ने खुद पर पेट्रोल डाला हर पात्र परिवार को पक्का आवास हमारा संकल्प मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, स्छ तथा नगरीय निकायों की पूरी टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में छत्तीसगढ़ की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए भूमि आरक्षण तथा एएचपी के माध्यम से किफायती आवास उपलब्ध कराने की हमारी पहल को मिली यह पहचान राज्य सरकार की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और परिणामोन्मुख कार्यशैली का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहा है। पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं, बल्कि एक परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे और जरूरतमंद परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से युक्त बेहतर आवास उपलब्ध हो।द्यह्यश्र ऋद्धड्डस्र - दो दिन से लापता युवक का खेत में मिला कटा सिर, दो संदिग्ध हिरासत में 25,413 आवासों के लिए बिना सरकारी खर्च के मिली जमीन शहरी क्षेत्रों में गरीब और निम्न आय वर्ग के लिए आवास निर्माण की सबसे बड़ी चुनौतियों में भूमि की उपलब्धता प्रमुख रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस चुनौती के समाधान के लिए निजी कॉलोनियों में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग के लिए भूमि आरक्षण के प्रावधान को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इस व्यवस्था के परिणामस्वरूप राज्य में 25 हजार 413 आवासों के निर्माण के लिए बिना सरकारी खर्च के भूमि उपलब्ध हुई है। इनमें प्रधानमंत्री आवासहजार 623 आवास शामिल हैं।

न्यूज इन शॉर्ट



सेवा संकल्प अभियान के तहत महतारी वंदन योजना से मीरा चौधरी को मिला आर्थिक संबल

महेंद्र शुक्ला एमसीबी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चैनपुर निवासी मीरा चौधरी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होकर अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

मीरा चौधरी को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। योजना से मिलने वाली यह नियमित राशि उनके परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में उपयोगी साबित हो रही है।

मीरा बताती हैं कि योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग वे मुख्य रूप से घर में सब्जियां लाने, अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने तथा अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में करती हैं। हर महीने मिलने वाली सहायता राशि से उन्हें घरेलू खर्चों को संभालने में सहयोग मिलता है और बच्चों की शिक्षा से जुड़े खर्चों में भी मदद मिलती है।

उनके अनुसार, महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए एक महत्वपूर्ण सहारा है। वे अपनी आवश्यकता के अनुसार इस राशि का उपयोग करती हैं। घर की दैनिक जरूरतों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई में इसका उपयोग कर पाने से उन्हें काफी सुविधा मिलती है।

मीरा चौधरी का कहना है कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की योजनाओं से जुड़ी लाभार्थियों की बात और अनुभव सामने आ रहे हैं। महतारी वंदन योजना से मिल रही सहायता उनके परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोगी बन रही है। महतारी वंदन योजना का लाभ मिलने पर मीरा चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हर महीने मिलने वाली 1,000 की राशि से उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग मिल रहा है।



एन आई टी रायपुर में रेलवे सुरक्षा बल बैंड की प्रस्तुति

सुरक्षा बल बैंड का कल भाठागांव में होगा आयोजन

रायपुर। रेलवे सुरक्षा बल के 42वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रायपुर में 01 से 08 अक्टूबर तक विभिन्न स्थानों पर RPF के ब्रास एवं पाइप बैंड की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं।

इसी क्रम में आज 05 अक्टूबर को NIT रायपुर में सायं 4:30 से 5:30 बजे तक RPF बैंड द्वारा लोकप्रिय एवं देशभक्ति गीतों की मधुर धुनें प्रस्तुत की गईं। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने प्रस्तुति का आनंद लिया।कल 06 अक्टूबर को भाठागांव बस स्टैंड, रायपुर में सायं 4:30 से 5:30 बजे तक RPF के ब्रास एवं पाइप बैंड की विशेष संगीतमय प्रस्तुति होगी। रायपुरवासी एवं संगीत प्रेमी इस अवसर पर उपस्थित होकर मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति का आनंद ले सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर में ग्रामीणों को मिली एक ही स्थान पर अनेक शासकीय

सेवा सेतु शिविर में आवास चाबी, आयुष्मान कार्ड, प्रमाण पत्र, कृषि योजनाओं सहित विभिन्न योजनाओं का ग्रामीणों को मिला लाभ

जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण, नशामुक्ति की दिलाई शपथ- जरूरतमंद बच्चों को खिलौना एवं वस्त्र दान किया गया वितरण

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में ÷सेवा सेतु शिविर÷ का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से जोड़ना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सेवाओं का लाभ लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, कलेक्टर संतन देवी



जांगड़े, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह, तहसीलदार श्रुति धुर्वे, समीर शर्मा, जनपद सदस्य, समस्त सरपंचगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान एवं राज्य गीत का गायन हुआ और मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के बाद जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को दी जा रही योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली।

ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ना शिविर का मुख्य उद्देश्य

जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित सेवा सेतु शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना है। इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को एक ही स्थान पर अनेक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को आवास की चाबी, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र तथा आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सेवा सेतु शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं को ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करते हुए उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ना और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ तत्काल उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर ने जिला कोषालय, तहसील और एसडीएम कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

कोष-लेखा और राजस्व कामकाज का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण और प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण पर दिया जोर

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने सोमवार को सारंगढ़ स्थित जिला कोषालय, तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोष-लेखा और राजस्व से जुड़े कार्यालयीन कामकाज का अवलोकन किया तथा विभिन्न शाखाओं में संधारित अभिलेखों, प्रकरणों और कार्यालयीन व्यवस्थाओं



की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर साहू ने जिला कोषालय पहुंचकर वहां की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला कोषालय अधिकारी कक्ष का निरीक्षण करते हुए कोष-लेखा से संबंधित कार्यों, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य कार्यालयीन गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान कोषालय अधिकारी उत्तम कुमार तुर्कने, सहायक कोषालय अधिकारी हरिराम पटेल एवं खजांची हेमराज सिदार उपस्थित रहे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कामकाज की जानकारी लेते हुए शासकीय वित्तीय कार्यों एवं अभिलेखों का नियमानुसार व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर ने उप पंजीयक एवं रजिस्ट्रार कार्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार कक्ष, नायब तहसीलदार कक्ष, वासिल बाकी नवीस शाखा, नायब नाजिर शाखा तथा अभिलेखागार शाखा का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों से शाखावार कार्यों और प्रकरणों की जानकारी ली तथा दस्तावेजों एवं अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

पण्ड्रीपाली में 8 अक्टूबर को होगा अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर

वर्ण भेद रहित सामूहिक भोज के साथ होंगे सांस्कृतिक, सम्भाषण, चित्रकला एवं निबंध कार्यक्रम

सेवा संकल्प अभियान के तहत विभागों द्वारा गांव में किए जाएंगे सेवा कार्य

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में अस्पृश्यता निवारण और सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 अक्टूबर 2026 को विकासखण्ड बिलाईगढ़ के ग्राम पण्ड्रीपाली में ''अस्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर'' का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रातः 10 बजे से शासकीय हाई स्कूल परिसर पण्ड्रीपाली में प्रारंभ होगा।सद्भावना शिविर में सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए वर्ण भेद रहित सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्भाषण, चित्रकला एवं निबंध सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से अस्पृश्यता के उन्मूलन के साथ आपसी सद्भाव, समानता और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा।इसी अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ''एक गांव गोद में'' पहल के तहत विभिन्न विभागों द्वारा प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पण्ड्रीपाली में सेवा कार्य किए जाएंगे। संबंधित विभाग प्रातः 10 बजे से गांव में निर्धारित सेवा गतिविधियां स्थान पर विभिन्न विभागीय सेवाओं एवं गतिविधियों का लाभ मिलेगा।

रामगढ़ में नुक्कड़ नाटक से गूंजा जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश

महतारी वंदन से प्रधानमंत्री आवास और नल-जल योजना तक ग्रामीणों को दी गई योजनाओं की जानकारी

संवाद और अभिनय के जरिए योजनाओं के लाभ एवं पात्रता की दी गई जानकारी ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाकर योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का लिया संकल्प

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम रामगढ़ में विगत 28 सितंबर 2026 को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं अभियानों की जानकारी ग्रामीणों तक रोचक, सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाई।नुक्कड़ नाटक में महतारी वंदन योजना, अमृत सरोवर, वीबी-जी राम-जी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, नल-जल योजना, सुकन्या योजना, सरस्वती साइकिल योजना तथा 'एक पेड़ मां के नाम' सहित विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों पर आधारित प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने संवाद एवं अभिनय के माध्यम से योजनाओं के उद्देश्य, आमजन को मिलने वाले लाभ तथा पात्र हितग्राहियों द्वारा योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया।



रोचक प्रस्तुति के जरिए योजनाओं की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक नुक्कड़ नाटक का अवलोकन किया। कलाकारों ने विभिन्न योजनाओं से जुड़े विषयों को सरल भाषा, संवाद और प्रभावी अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त हुई।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जुड़कर पात्रता के अनुसार उनका लाभ लेने तथा गांव के विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए नुक्कड़ नाटक को जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया।

छूटे एवं नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीयन हेतु 5 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुपालन में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में छूटे हुए एवं नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है, जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है।17 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं का जुटाया जाएगा विवरण

विशेष अभियान के अंतर्गत 17 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके युवाओं तथा 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं के मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया को सुगम बनाया जाएगा। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में घर-घर भ्रमण करेंगे। इस दौरान मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के तहत पात्र नागरिकों की जानकारी संकलित की जाएगी। पात्रता पाए जाने पर आवश्यकतानुसार फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।स्कूल-कॉलेजों में निर्वाचक साक्षरता क्लब के माध्यम से जागरूकता

अभियान के दौरान जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में गठित निर्वाचक साक्षरता क्लब के माध्यम से पात्र विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। पात्र विद्यार्थियों से आवश्यकतानुसार फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा स्कूल-कॉलेजों के निर्वाचक साक्षरता क्लब के नोडल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले मतदाताओं से होगा पुनः संपर्क

विशेष अभियान के तहत जिले के सभी बूथ लेवल अधिकारी उन मतदाताओं से भी पुनः संपर्क करेंगे, जो विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अपने निवास स्थान पर अनुपस्थित पाए गए थे।

ऐसे पात्र मतदाताओं से संपर्क कर उनकी पात्रता संबंधी जानकारी प्राप्त की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार फॉर्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ऑनलाइन भी कर सकते हैं मतदाता पंजीयन

जिला प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना पंजीयन अवश्य सुनिश्चित करें। पात्र नागरिक ईसीआईनेट मोबाइल

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाकर जन जागरूकता का लिया संकल्प

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कोटाडोल में नुक्कड़ नाटक से गूंजा जनजागरूकता का संदेश

एमसीबी ➤ महेंद्र शुक्ला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के कोटाडोल में 29 सितंबर 2026 को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक जागरूकता तथा नागरिकों की सहभागिता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों को रोचक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

नुक्कड़ नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कलाकारों ने संवाद, अभिनय एवं मनोरंजक प्रस्तुति के माध्यम से आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने, अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति



जागरूक रहने तथा समाजहित में सक्रिय सहभागिता निभाने का संदेश दिया। विभिन्न सामाजिक विषयों को सरल भाषा और प्रभावी अभिनय के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाया गया।

ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए नुक्कड़ नाटक को जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिए गए संदेशों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, जिला पंचायत सदस्य सुखमंती सिंह एवं अनीता चौधरी, सरपंच सुभाष सिंह, मंडल अध्यक्ष कोटाडोल मनोज गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसके अलावा राजाराम दास, गौरी सिंह, श्रीचंद यादव, रामसकल, रामगोपाल यादव, भैया लाल, मुक्ति नारायण यादव, शिव नारायण मौर्य, दुर्गावती सिंह, गीता सिंह सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से सुनीला जायसवाल को मिला आर्थिक संबल

सेवा संकल्प अभियान 2026 में सामने आई सफलता की कहानी, हर महीने मिलने वाली 1,000 की सहायता से पूरी कर रही हैं अपनी रोजमर्रा की जरूरतें

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

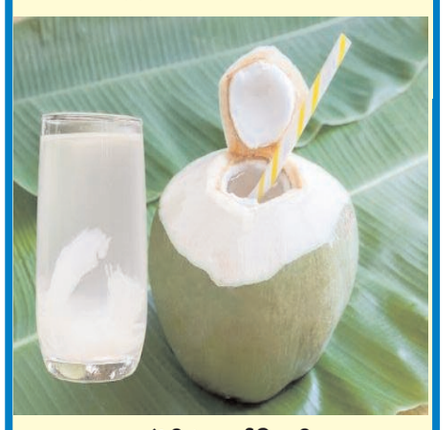


मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम भल्लौर निवासी सुनीला जायसवाल को महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान सामने आई उनकी यह सफलता कहानी बताती है कि योजना के माध्यम से मिलने वाली यह नियमित राशि सुनीला के लिए घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहारा बनी हुई है। अब तक उन्हें योजना के तहत 31 किस्तों में कुल 31,000 की राशि प्राप्त हो चुकी है।

सुनीला बताती हैं कि हर महीने मिलने वाली 1,000 की राशि का उपयोग वे अपनी और अपने परिवार की रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। घर के लिए सब्जियां खरीदने, दैनिक उपयोग की छोटी-मोटी वस्तुएं लेने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर वे अपने लिए भी आवश्यक सामान खरीद लेती हैं। इस राशि से उन्हें अपने छोटे खर्चों को पूरा करने में काफी सुविधा मिलती है।सुनीला के अनुसार, पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी घर के खर्चों को ध्यान में रखना पड़ता था, लेकिन महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने इन जरूरतों को पूरा करना आसान बनाया है। हर महीने खाते में आने वाली राशि से उन्हें अपनी आवश्यकताओं के लिए एक निश्चित आर्थिक सहारा मिलता है और वे अपनी जरूरत के अनुसार उसका उपयोग कर पाती हैं।

वे बताती हैं कि योजना की राशि भले ही रोजमर्रा की छोटी जरूरतों के लिए उपयोग होती है, लेकिन नियमित रूप से मिलने वाली यह सहायता उनके लिए महत्वपूर्ण है। इससे वे सब्जी और जरूरी सामान जैसी आवश्यक चीजों की खरीद स्वयं कर पाती हैं और अपने छोटे-मोटे खर्चों को आसानी से संभाल लेती हैं।महतारी वंदन योजना से मिल रहे है।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस

इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।

वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर

दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है।

फरवरी में शादी हुई थी; पूजा के बाद बोले- व्यवस्थाओं से खुश हूं



पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोमवार को पत्नी सोफी शाइन के साथ तिरुमला मंदिर पहुंचे। दोनों ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।आंध्र प्रदेश के तिरुपति में धवन और सोफी पारंपरिक कपड़ों में मंदिर पहुंचे। धवन ने भक्तों से मुलाकात की और फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचाईं। धवन और सोफी ने 21 फरवरी 2026 को शादी की थी।दर्शन के बाद धवन ने मीडिया से कहा कि मंदिर प्रशासन ने बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की थीं। उन्होंने भगवान तिरुपति के अच्छे दर्शन के लिए आभार जताया। धवन ने कुर्ता और धोती पहनी थी। सोफी सफेद सूट में नजर आईं।

लाबुशेन का 11 महीने बाद शतक



ऑस्ट्रेलिया के नंबर-3 बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने करीब 11 महीने बाद शतक लगाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है और उसे 9 अक्टूबर से पहला टेस्ट खेलना है।इससे पहले उन्होंने 76 गेंद पर शतक पूरा किया और 19 चौके लगाए।

लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार था
लाबुशेन ने करीब 11 महीने से किसी भी फॉर्मेट में शतक नहीं लगाया था। लाबुशेन ने आखिरी इंटरनेशनल टेस्ट शतक जुलाई 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। उन्होंने उस पारी में 111 रन बनाए थे।

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष्ठ मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं।वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने स्ष्ठ अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।



वर्ल्डकप जीतने के बाद टीम से बाहर है सूर्या

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान और जापान सीरीज की टीमों में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया।

व्यापार

फेस्टिव सीजन में कारों का धमाका



नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अक्टूबर में कई लॉन्चेज होने वाले हैं. फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तमाम कंपनियों ने अपनी तैयारी कर ली हैं। टोयोटा, होंडा, हुंडई, स्कोडा और रेनो अपनी नई कारों को इस महीने मार्केट में उतारने वाले हैं। इस महीने हमें 5 मास मार्केट गाड़ियां देखने को मिलेंगी। इस लिस्ट में हैचबैक से लेकर एसयूवी और सेडान तक शामिल हैं। ऐसे में नई कार खरीदने वालों को थोड़ा इंतजार कर लेने से बेहतर विकल्प या बेहतर डील दोनों मिल सकती है।

इंडिगो में कल से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

1300, इंटरनेशनल में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स मंगलवार से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में ?1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में ?10,000 तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12ः01 बजे से लागू होंगी।इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है।कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत ?121 से बढ़कर अब ?137 हो गई है। यानी 1 लीटर-ञ्जस्न की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2त्न) बढ़ गई है।इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14त्न से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।



एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूलजेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। से 40त्न होती है।

अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी त्नस्ज्ञ दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाबः नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद



अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवालः क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाबः वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवालः क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाबः नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवालः जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाबः जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

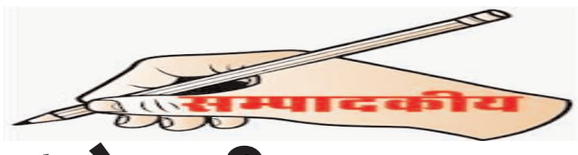
अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।



'जेहादी' मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक 'नफरत' करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के 'विश्व व्यापार केंद्र' को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे।

विचार

शिक्षा को स्थानीय आर्थिकी से जोड़ने की जरूरत

प्रो. सतपाल

लेकखक

शिक्षा का मूल उद्देश्य धीरे-धीरे रोजगार प्राप्त करने तक सीमित होता जा रहा है।बचपन से ही हमें यह समझाया जाता है कि पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी प्राप्त करनी है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य एक बेहतर इनसान और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। शायद यही कारण है कि आज शिक्षा के मूल्यांकन का सबसे बड़ा पैमाना रोजगार बनता जा रहा है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था हिमाचल की अपनी अर्थव्यवस्था और रोजगार की जरूरतों से जुड़ पाई है? गांव-गांव तक विद्यालय और महाविद्यालय पहुंचने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं।

विद्यालयों एवं महाविद्यालय में विद्यार्थियों को यह समझाने का माध्यम बने कि उनकी शिक्षा वास्तविक जीवन और रोजगार में कैसे उपयोगी हो सकती हैहिमाचल प्रदेश जैसे दुर्गम, पहाड़ी क्षेत्र में शिक्षा की लौ जलाना एक समय सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन समय के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया गया, नतीजतन आज प्रदेश पूर्ण साक्षरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन साक्षरता के बाद अगला सवाल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आता है और उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ता है कि शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या होना चाहिए? नीतिनिर्माता अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करते हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की परिभाषा क्या है? क्या वह शिक्षा जो रोजगार उपलब्ध कराए, गुणवत्तापूर्ण मानी जाए या वह शिक्षा जो एक जागरूक, जिम्मेदार और सभ्य नागरिक तैयार करे? वर्तमान समय में हम कहीं न कहीं इन सवालों के बीच उलझे हुए दिखाई देते हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य धीरे-धीरे रोजगार प्राप्त करने तक सीमित होता जा रहा है।बचपन से ही हमें यह समझाया जाता है कि पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी प्राप्त करनी है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम बताया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य एक बेहतर इनसान और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। शायद यही कारण है कि आज शिक्षा के मूल्यांकन का सबसे बड़ा पैमाना रोजगार बनता जा रहा है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था हिमाचल की अपनी अर्थव्यवस्था और रोजगार की जरूरतों से जुड़ पाई है? गांव-गांव तक विद्यालय और महाविद्यालय पहुंचने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं। इसलिए चुनौती केवल शिक्षा का विस्तार करने की नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की है जो ज्ञान, व्यक्तित्व, कौशल, नागरिक चेतना और रोजगार जैसे कारकों को साथ लेकर चले। प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय वृद्धि देखने को मिलती है, लेकिन इसके



साथ शिक्षित बेरोजगारी की चुनौती भी लगातार गंभीर होती दिखाई दे रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में लगभग 6.75 से 7 लाख बेरोजगार पंजीकृत हैं। इनमें करीब 1.19 से 1.41 लाख स्नातक तथा 72 से 76 हजार स्नातकोत्तर, एम फिल और पीएचडी धारक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 2.85 लाख 12वीं/मैट्रिक स्तर के युवा भी रोजगार की तलाश में हैं। ये केवल वो आंकडें हैं जो रोजगार कार्यालयों में दर्ज हैं, इसके अलावा अनेकों ऐसे डिग्री धारक हैं जो पंजीकृत नहीं हैं, या अभी अपने अध्ययन के अंतिम वर्ष में हैं। वहीं आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अप्रैल-जून 2026 के आंकड़े इस चुनौती को और स्पष्ट करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में 15-29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर 24.1 प्रतिशत दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में भी यह दर लगभग 15 प्रतिशत के आसपास रही है। इतना ही नहीं, महिलाओं, विशेषकर उच्च शिक्षित युवतियों के लिए रोजगार प्राप्त करने की यह चुनौती और अधिक दिखाई देती है। हिमाचल में सरकारी नौकरी को स्थायी और सुरक्षित रोजगार का माध्यम माना जाता रहा है।ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना युवाओं के लिए स्वाभाविक विकल्प बन जाता है। लेकिन प्रदेश में सरकारी क्षेत्र में रोजगार क्षमताएं सीमित होने के कारण हर शिक्षित युवा को सरकारी नौकरी मिलना संभव नहीं। इसलिए रोजगार की दिशा को सरकारी नौकरियों से आगे बढ़ाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने पर केन्द्रित करने की जरूरत है, ताकि शिक्षित युवा स्वरोजगार के मार्ग पर चलकर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर सके।

विचार

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

- प्रहलाद सबनानी

लेखक

आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते



भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है। तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही अत्यधिक आकर्षक हो गया है।

(एक नजर)

आज भी अनसुलझे हैं वैष्णो देवी के रहस्य

आपने माता वैष्णो देवी के मंदिर के दर्शन तो किए ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि माता वैष्णो देवी की उत्पत्ति कैसे हुई और त्रिकुटा पर्वत पर स्थित उनके प्रसिद्ध मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा क्या है? आखिर माता वैष्णो देवी को तीन पिंडियों के रूप में क्यों पूजा जाता है और भैरवनाथ के दर्शन के बिना माता की यात्रा अधूरी क्यों मानी जाती है? आइए जानते हैं माता वैष्णो देवी से जुड़ी इस प्रसिद्ध पौराणिक कथा के बारे में।मान्यता है कि माता वैष्णो देवी महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी की सम्मिलित शक्ति का स्वरूप हैं। जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित माता वैष्णो देवी के भवन में एक पवित्र गुफा है, जहां तीन प्राकृतिक पिंडियों के रूप में देवी की पूजा की जाती है। इन तीन पिंडियों को महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी का स्वरूप माना जाता

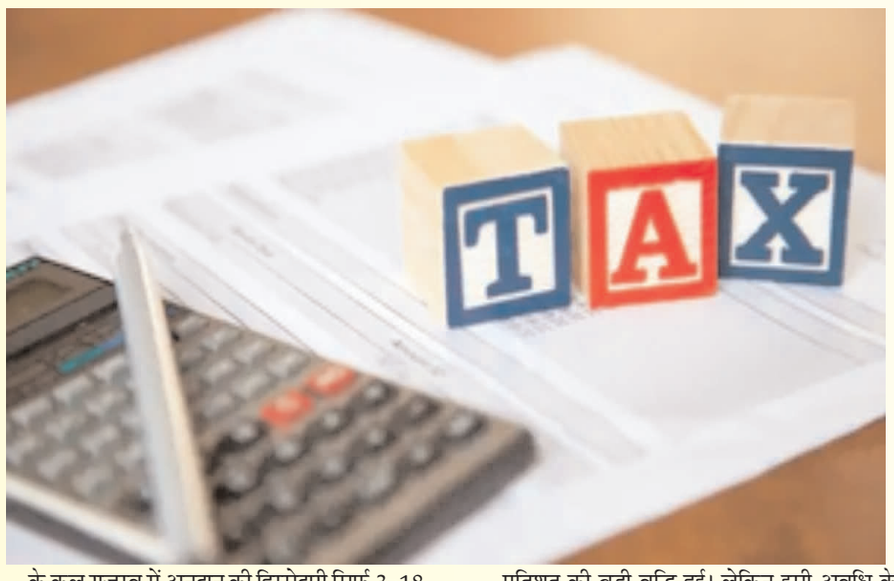
विचार

हैदराबाद की वित्तीय समस्याओं का समाधान और प्रॉपर्टी मालिकों के सवाल

धीरेंद्र राय,

लेखक

ड्राफ्ट वधेयक ने हैदराबाद के प्रॉपर्टी मालिकों के बीच एक जायज सवाल खड़ा कर दिया है- हमें अधिक भुगतान क्यों करना चाहिए? यह एक जायज सवाल है। प्रस्तावित कोर अर्बन रीजन (इंटीग्रेटेड गवर्नेंस) बिल, 2026 हैदराबाद में संपत्ति कर कैलकुलेट करने के आधार को बदल देगा - मौजूदा सिस्टम जो अनुमानित किराये के मूल्य पर आधारित है, उसे सरकार द्वारा मूल्यांकित पूंजीगत मूल्य से जोड़ा जाएगा। इससे कई प्रॉपर्टी मालिकों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं।लेकिन एक और सवाल है जिस पर उतना ही ध्यान देने की जरूरत है- आखिरकार हैदराबाद को सबसे पहले अपने नगर निगम के राजस्व आधार को मजबूत करने की जरूरत क्यों है? इसका उत्तर सिर्फ प्रस्तावित कर वृद्धि में नहीं है, बल्कि इस बात में छिपा है कि हैदराबाद अपने बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवा संबंधी जरूरतों का वित्तपोषण किस प्रकार करता रहा है--और क्या यह मॉडल आगे भी जारी रह सकता है।पिछले छह वर्षों में हैदराबाद की वित्तीय स्थिति को देखें, तो सरकारी अनुदान नगर निगम के राजस्व का प्रमुख स्रोत नहीं रहा है। बजट आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 और 2023-24 के बीच, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम



के कुल राजस्व में अनुदान की हिस्सेदारी सिर्फ 3-18 प्रतिशत थी। साल 2023-24 में, त्ताास्ष्ट के कुल राजस्व 7,105 करोड़ रुपये के मुकाबले अनुदान लगभग 1,184 करोड़ रुपये था--जो लगभग 17 प्रतिशत है।जब राजस्व की तुलना व्यय से की जाती है, तो दबाव और अधिक स्पष्ट हो जाता है। साल 2019-20 और 2023-24 के बीच, त्ताास्ष्ट के राजस्व में 61 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि हुई। लेकिन इसी अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय में 234 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से स्ट्रैटेजिक रोड डेवलपमेंट प्रोग्राम%, %स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम% और %कॉम्प्रिहेंसिव रोड मेंटेनेंस प्रोग्राम के कारण हुई, जिनकी कुल लागत लगभग 10,249 करोड़ रुपये थी और इसमें से 6,390 करोड़ रुपये का वित्तपोषण ऋण के जरिये किया गया था।

ऋण लेने से इस कमी को पूरा करने में मदद तो मिली, लेकिन इससे कर्ज चुकाने का बोझ भी बढ़ता गया। साल 2023-24 में त्ताास्ष्ट पर कुल बकाया कर्ज लगभग 6,749 रुपये करोड़ था, जबकि कर्ज की किस्त और ब्याज का भुगतान पहले ही 100 करोड़ रुपये प्रति माह से अधिक हो चुका था। इस साल मार्च तक, त्ताास्ष्ट के अधिकारियों ने लंबित बकाए को चुकाने या अपने इंफ्रास्ट्रक्चर लोन के भुगतान की जिम्मेदारी संभालने के लिए राज्य सरकार से सहायता मांगी थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर इस भुगतान में देरी जारी रही, तो निगम की विकास कार्यों के लिए धन जुटाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके बाद से, राज्य सरकार ने इन देनदारियों को अपने हाथ में लेने का कदम उठाया है।

इससे थोड़ी राहत जरूर मिलती है। लेकिन कर्ज से राहत सिर्फ बैलेंस शीट को सुधार सकती है; यह हैदराबाद के विकास के अगले चरण के लिए जरूरी नियमित कमाई पैदा नहीं कर सकती।

हैदराबाद के सामने एक स्पष्ट विकल्प है-या तो वह राज्य सरकार से मिलने वाली अनिरंतर आर्थिक मदद पर निर्भर रहे, या फिर खुद का एक ऐसा राजस्व आधार तैयार करे जो शहर की बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बिठा सके। अनुदान अपने चरम स्तर पर भी त्ताास्ष्ट के कुल बजट के पांचवें हिस्से से अधिक कभी नहीं रहे हैं। यही बात नगर निगम के अपने स्रोतों से होने वाली आय को महत्वपूर्ण बनाती है--

जिसमें नई संपत्तियों को टैक्स के दायरे में लाना, कवरेज बढ़ाने के लिए तकनीक का उपयोग करना और संपत्ति-कर के रिकॉर्ड को अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ जोड़ना शामिल है।यह उपाय महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये उस गहरी समस्या का समाधान नहीं कर सकते कि टैक्स का आधार खुद ही स्थिर बना हुआ है। हैदराबाद के संपत्ति मूल्यों और अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि होने के बावजूद, आवासीय संपत्तियों के प्रॉपर्टी-टैक्स किराया मूल्यों को आखिरी बार 2003 में संशोधित किया गया था, जबकि व्यावसायिक संपत्तियों के लिए संबंधित मूल्यों को 2008 में संशोधित किया गया था।

ूजो 10 प्रमुख 10-लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नौवें स्थान पर है। यह पुणे (6,345 रुपये), कोयंबटूर (5,919 रुपये) और मुंबई (5,381 रुपये) में प्रति व्यक्ति मांग के आधे से भी कम था।यही वह जगह है जहां प्रॉपर्टी टैक्स मूल्यांकन के आधार को बदलना महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रॉपर्टी टैक्सेशन को पंजीकरण विभाग द्वारा बनाए रखे जाने वाले गाइडेंस वैल्यू% से जोड़कर - जिनमें समय-समय पर संशोधन किया जाता है - यह प्रणाली मौजूदा अनुमानित किराया मूल्यों पर आधारित प्रणाली की तुलना में अधिक गतिशील टैक्स बेस प्रदान करती है। यह स्थह्य (शहरी स्थानीय निकायों) के लिए प्रॉपर्टी के मूल्य निर्धारित करने के लिए समय-समय पर बाजार-किराया सर्वेक्षण करने की जरूरत भी खत्म करती है।

न्यूज इन शॉर्ट

जिले में अब तक 1216.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। जिलेवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय में नाक, कान एवं गला (ईएनटी) रोग विशेषज्ञ डॉ. पावस जगवानी की पदस्थापना की गई है। इससे अब जिले के मरीजों को नाक, कान एवं गला संबंधी बीमारियों के विशेषज्ञ उपचार के लिए दूसरे जिलों अथवा बड़े शहरों में नहीं करना पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर विशेषज्ञ चिकित्सक की पदस्थापना होने से अब जिला चिकित्सालय में ही इन बीमारियों की विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जिले में अब तक नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित बीमारियों से पीड़ित मरीजों को उपचार के लिए बिलासपुर सहित अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था। इससे मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त समय एवं धन खर्च करना पड़ता था। इसके साथ ही मेडिकल बोर्ड में नाक, कान एवं गला रोग से संबंधित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र जारी करने की सुविधा भी जिले में उपलब्ध हो सकेगी। इससे संबंधित लोगों को प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके समय एवं संसाधनों की बचत होगी।एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 1 जून से 05 अक्टूबर 2026 तक 1216.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवधि में कोटाडोल तहसील में सर्वाधिक 1599.5 मिमी, जबकि खड़गवां में न्यूनतम 918.1 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ में 1152.9 मिमी, चिरमिरी में 1101.9 मिमी, केल्हारी में 990.8 मिमी, भरतपुर में 1538.0 मिमी तथा कोटाडोल में 1599.5 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यार्थी उड़ान योजना के लिए जिला स्तरीय काउंसलिंग 6 अक्टूबर को

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यार्थी उड़ान योजना (पूर्व में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजातीय विद्यार्थी उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत जिला स्तरीय वर्गवार मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों की काउंसलिंग आगामी 6 अक्टूब मंगलवार को आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि पूर्व में 14 जुलाई 2026 को आयोजित काउंसलिंग शासन के निर्देशानुसार निरस्त कर दी गई थी। अब जिला स्तरीय काउंसलिंग 6 अक्टूबर को आयोजित की गई है। मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों को अपने पालक के साथ काउंसलिंग में उपस्थित होना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को कक्षा चौथी की अंकसूची, स्थायी जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, कक्षा पांचवीं उत्तीर्ण प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की मूल प्रति के साथ सभी दस्तावेजों की एक सेट छायाप्रति लेकर उपस्थित होना होगा। निर्धारित तिथि पर काउंसलिंग में अनुपस्थित रहने की स्थिति में वरीयता क्रम के अगले विद्यार्थी को अवसर प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में बाद में किसी प्रकार का अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सेवा सेतु अभियान के तहत 6 अक्टूबर को कोटमीकला, गुदुमदेवरी और अंधियारखोह में लगेंगे जनसमस्या निवारण शिविर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आम नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार, 6 अक्टूबर को जिले के कोटमीकला, गुदुमदेवरी और अंधियारखोह में सेवा सेतु अभियान के तहत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। पेंड्रा विकासखंड के ग्राम कोटमीकला में ग्राम पंचायत भवन के पास, मरवाही विकासखंड के ग्राम गुदुमदेवरी में हायर सेकेण्डरी स्कूल और गौरेला विकासखंड के ग्राम अंधियारखोह में प्राथमिक शाला भवन में शिविर आयोजित किया गया है।

तेंदूपत्ता की बढ़ी दर से कुसुम की मेहनत को मिला बेहतर मोल, चेहरे पर आई खुशी

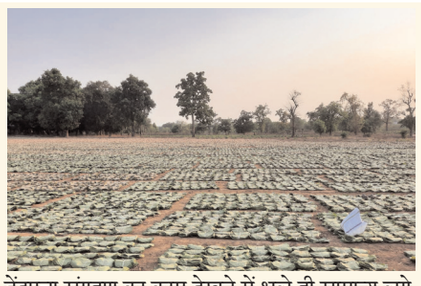
बचपन में माता-पिता के साथ जंगल जाकर तोड़ती थीं तेंदूपत्ता, आज बढ़ा पारिश्रमिक बना परिवार के लिए आर्थिक संबल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जंगल की पगडंडियों से कुसुम का रिश्ता बचपन का है। कभी माता-पिता के साथ जंगल जाकर छोटे-छोटे हाथों से तेंदूपत्ता तोड़ने वाली कुसुम आज भी उसी मेहनत से अपने परिवार की आजीविका में सहयोग कर रही हैं। वर्षों से जारी इस मेहनत को जब बेहतर पारिश्रमिक मिला तो उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम बेलबहरा निवासी कुसुम की यह कहानी सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान सामने आई है।

कुसुम बताती हैं कि जब वह छोटी थीं, तब अपने माता-पिता के साथ तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल जाया करती थीं। परिवार के साथ शुरू हुआ यह काम धीरे-धीरे उनके जीवन और आजीविका का हिस्सा बन गया। आज भी तेंदूपत्ता संग्रहण के मौसम में वह जंगल पहुंचती हैं और पूरी मेहनत के साथ पत्तों का संग्रहण करती हैं।

मेहनत वही, लेकिन अब मिल रहा बेहतर पारिश्रमिक



तेंदूपत्ता संग्रहण का काम देखने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन इसके पीछे संग्राहकों की कड़ी मेहनत छिपी होती है। जंगल में जाकर उपयुक्त पत्तों को तलाशना, उन्हें सावधानी से तोड़ना, एकत्र करना और निर्धारित तरीके से तैयार करना मेहनत और धैर्य का काम है। कुसुम वर्षों से इसी श्रम के सहारे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में योगदान देती आ रही हैं। इस वर्ष राज्य शासन द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण की पारिश्रमिक दर बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किए जाने से कुसुम की खुशी बढ़ गई है। वर्ष 2026 में बढ़ी हुई दर से मिलने वाला पारिश्रमिक उनके लिए आर्थिक राहत के साथ उनकी वर्षों की मेहनत को मिला सम्मान भी है।

कुसुम कहती हैं कि जंगल में दिनभर मेहनत करने के बाद जब उसका बेहतर मूल्य मिलता है तो खुशी होती है। बढ़ी हुई संग्रहण दर से प्राप्त राशि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है। इससे घर के जरूरी खर्चों को संभालने में भी आसानी हो रही है।

बढी दर ने दिया आर्थिक संबल

तेंदूपत्ता संग्रहण केवल कुसुम ही नहीं, बल्कि जंगल और वनोपज पर निर्भर अनेक परिवारों की मौसमी आय का महत्वपूर्ण जरिया है। ऐसे में संग्रहण दर में वृद्धि से इन परिवारों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिल रहा है। कुसुम के लिए भी बढ़ा हुआ पारिश्रमिक परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में अतिरिक्त सहारा बना है। वर्षों से तेंदूपत्ता संग्रहण कर रहीं कुसुम के लिए यह बदलाव विशेष मायने रखता है। जिस काम को उन्होंने बचपन में माता-पिता के साथ शुरू किया था, उसी काम के लिए आज पहले से बेहतर पारिश्रमिक मिलना उनके लिए सुखद अनुभव है। वह इसे मेहनतकश तेंदूपत्ता संग्राहकों के श्रम को मिले सम्मान के रूप में देखती हैं।

मेहनत का बेहतर मूल्य मिलने से बढ़ी खुशी

कुसुम का कहना है कि तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। बढ़ी हुई दर से अब इस मेहनत का बेहतर मूल्य मिल रहा है। इससे उनके जैसे अनेक संग्राहक परिवारों को आर्थिक राहत मिली है और काम के प्रति उत्साह भी बढ़ा है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में किए गए प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि पारिश्रमिक में वृद्धि से जंगल पर निर्भर परिवारों को अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य और आर्थिक संबल मिल रहा है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आ रहीं बदलाव की कहानियां

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से जनसेवा और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के साथ केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं पहलों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है।

जीपीएम में गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा



245 किलोग्राम गांजा के साथ बस चालक एवं सहयोगी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में लगातार निगरानी, सूचना संकलन एवं सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में थाना पेंड्रा पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के संबंध में प्राप्त सूचना के आधार परकार्यवाही करते हुए थाना पेंड्रा अपराध क्रमांक 345/2026, धारा 20(ड्ड)(ढ्ढढ्ढ), 29 ह्लष्कष्ट के अंतर्गत बड़ी कार्यवाही की गई है। कार्यवाही के दौरान यात्री बस के माध्यम से अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा लगभग 245 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है।

कार्यवाही की सबसे बड़ी उपलब्धि - 245 किलोग्राम गांजा बरामद

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में कुल लगभग 245 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसे 49 पैकेटों में, प्रत्येक पैकेट में लगभग 05 किलोग्राम के हिसाब से रखा गया था । बरामद गांजे को विधिवत जप्त कर प्रकरण में शामिल किया गया है तथा मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान एवं उनके विरुद्ध कार्यवाही हेतु जांच आगे बढ़ाई जा रही है ।बरामदगीगांजा - लगभग 245 किलोग्राम कीमती एक करोड़ बाईस लाख पचास हजार कुल पैकेट - 49ज्ञ प्रत्येक पैकेट - लगभग 05 किलोग्राम

की टाटा कम्पनी की 44 सीटर स्लीपर बस जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर ह्लष्ठ30ष्ठ0606 तीनमोबाइल हैंडसेट कीमती साठ हजार गिरफ्तार आरोपी1. दिलीप कुमार हिंडियापिता - स्व. कुमार हिंडियानिवासी - नायपुरा, तहसील माथिली, जिला मलकानगिरी (ओडिशा)

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि वह उक्त बस का मालिक एवं चालक है तथा गांजे के अवैध परिवहन में स्वयं शामिल था।2. भीमसेन केवट

पिता - रामफल केवटउम्र - 30 वर्षनिवासी - धनौरा, मौहरपारा, थाना मरवाही, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाहीपुलिस जांच के अनुसार भीमसेन केवट कटघोरा से बस में सवार हुआ था तथा वाहन चालक को आगे का रास्ता बताते हुए उसके साथ आ रहा था।

पूछताछ में सामने आया तस्करी का नेटवर्कप्रारंभिक पूछताछ में आरोपी दिलीप कुमार हिंडिया द्वारा बताया गया ।कि उसे मलकानगिरी (ओडिशा) से गांजा लेकर कोरबा एवं गौरेला पेंड्रा मरवाही क्षेत्र में सप्लाई करने आया है । पुलिस द्वारा इस नेटवर्क से जुड़े फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंक की पहचान एवं पतासाजी की जा रही है।

स्वच्छाग्रही दीदी एवं 'जोश-जर्नी ऑफ सेनिटेशन हाइजीन' से जुड़े प्रीतम को प्रशस्ति पत्र व स्वच्छता किट

ऐसे सम्मान से उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

एमसीबी। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छाग्रही दीदी एवं 'जोश-जर्नी ऑफ सेनिटेशन हाइजीन' में कार्यरत प्रीतम जी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर महोदया एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष जी द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई।इस अवसर पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया गया। सम्मान के साथ स्वच्छाग्रही दीदी एवं प्रीतम जी को स्वच्छता किट भी प्रदान की गई।अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले प्रतिक और प्रभा पयासी स्वच्छाग्रहियों एवं स्वच्छता कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे सम्मान से उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।



चिरमिरी में युवक की हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

घटना के 24 घंटे के भीतर हुई थी गिरफ्तारी, करीब 21 माह बाद आया न्यायालय का फैसला

महेंद्र शुक्ला ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 01 अक्टूबर 2026। चिरमिरी में युवक की डंडे से हत्या के मामले में माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चिरमिरी श्री निरंजन लाल चौहान ने आरोपी राजेश कुमार पिता अशोक कुमार, उम्र 35 वर्ष, निवासी 20 नंबर डोमनहिल चिरमिरी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास एवं 100 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरोपी को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

सिगरेट लेने की बात पर हुआ था विवाद

पुलिस के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 की रात करीब 10 से 10ः30 बजे 20 नंबर डोमनहिल मेन रोड स्थित सलीम के घर के सामने मृतक शाहिद अहमद और आरोपी राजेश कुमार के बीच सिगरेट लेने की बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लकड़ी के डंडे से



शाहिद अहमद के सिर पर तीन-चार बार वार किया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शी प्रार्थी शत्रुघन सिंह की सूचना पर थाना चिरमिरी में मर्ग कायम किया गया। इसके बाद 1 जनवरी 2025 की रात करीब 12ः30 बजे अपराध क्रमांक 01/2025 के तहत धारा 103(1) बीएनएस मं मामला दर्ज किया गया।

24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

चिरमिरी पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेश कुमार को घटना के 24 घंटे के भीतर, 1 जनवरी 2025 को गिरफ्तार कर लिया था। मामले की विवेचना सहायक उप निरीक्षक श्री शेष नारायण सिंह, तत्कालीन थाना चिरमिरी द्वारा की गई।

न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को परिवीक्षा अधिनियम का लाभ नहीं दिया। न्यायालय ने आरोपी को धारा 103(1) बीएनएस के तहत दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई।न्यायालयीन अभिरक्षा में आरोपी द्वारा बिताई गई अवधि 1 जनवरी 2025 से 1 अक्टूबर 2026 तक, कुल करीब 1 वर्ष 9 माह, सजा में समायोजित की जाएगी।

इसके साथ ही न्यायालय ने पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत मृतक के परिजनों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से तीन माह के भीतर प्रतिकर दिलाए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

जिला पुलिस मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने मामले में विवेचना अधिकारी सहायक उप निरीक्षक श्री शेष नारायण सिंह की भूमिका को सराहनीय बताया है।

देवरगांव, बंसीताल और अमाडांड क्लस्टर पंचायतों में आयोजित हुए जनसमस्या निवारण शिविर

सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार शिविरों में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

अमाडांड के शिविर में 75 हितग्राहियों को मिला आबादी पट्टा, आवास हितग्राहियों को सौंपी गई प्रतीकात्मक चाबी

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा सेतु अभियान के तहत 'सरकार आपके द्वार' की अवधारणा को साकार करते हुए आज गौरेला विकासखंड के ग्राम देवरगांव, मरवाही विकासखंड के ग्राम बंसीताल तथा पेंड्रा विकासखंड के ग्राम अमाडांड क्लस्टर पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के साथ ही उनकी समस्याओं एवं आवेदनों के निराकरण और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की पहल की गई।

अमाडांड हाई स्कूल मैदान में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि मरवाही विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष



दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री मरपच्ची ने कहा कि सेवा सेतु अभियान के माध्यम से शासन-प्रशासन स्वयं ग्रामीणों के द्वार तक पहुंच रहा है। विभागीय अधिकारी लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं और पात्रता के अनुरूप हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से शिविर में उपलब्ध सेवाओं एवं योजनाओं का भरपूर लाभ उठाने का आग्रह किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्षों की अपनी सार्वजनिक सेवा यात्रा में सेवा, समर्पण और जनकल्याण को प्राथमिकता दी है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित और सशक्त राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने नशामुक्त भारत, स्वच्छ भारत और विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने में जनभागीदारी का आह्वान किया।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने शिविर में लगाए गए विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों को प्राप्त आवेदनों, उनके निराकरण तथा हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को आवेदनों का संवेदनशीलता एवं तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में कृषि, वन, श्रम, खाद्य सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं, पात्रता और उनसे मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई। ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी सेवाओं तथा स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से भी ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया।

75 हितग्राहियों को आबादी पट्टा, पांच परिवारों को आवास की प्रतीकात्मक चाबी

आमाडांड में आयोजित शिविर में स्वामित्व योजना के तहत आसपास की ग्राम पंचायतों के 75 हितग्राहियों को आबादी पट्टे वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास पूर्ण करने वाले पांच हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं प्रतीकात्मक चाबी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद हितग्राहियों को छड़ी एवं चश्मे भी प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण का संदेश देते हुए पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई और उन्हें पोषण टोकरी भेंट की गई। साथ ही तीन बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। विभिन्न विभागों ने ग्रामीणों को योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया, आवश्यक पात्रता एवं मिलने वाले लाभों की विस्तार से जानकारी दी। शिविर में जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा पैकरा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

न्यूज इन शॉर्ट

फिर घर-घर पहुंचेंगे BLO, मतदाता सूची पर बड़ा अपडेट

रायपुर- देश में इस समय चुनाव आयोग की भूमिका, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्क्रूक्रको लेकर जंग छिड़ी हुई है। तो वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि एक बार फिर क्रस्ह मतदाताओं के घर पहुंचेंगे। ये उन लोगों के घर पहुंचेंगे जो स्क्रूक्रके दौरान अनुपस्थित या दूसरे स्थान पर शिफ्ट पाए गए थे। जानकारी के अुनसार, प्रदेश में करीब 19.13 लाख लोगों है। जिनके घर क्रस्ह दोबारा पहुंचकर जानकारी जुटाएंगे। ।बाद करीब 24.99 लाख मतदाताओं के नाम कटे थे। इनमें 6 लाख से ज्यादा मतदाता मृत पाए गए थे। अब अनुपस्थित और स्थानांतरित पाए गए लोगों के घर क्रस्ह के दोबारा पहुंचने से मतदाता सूची को लेकर स्थिति और साफ होने की उम्मीद है। इस प्रक्रिया के जरिए यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में बने रहें और गलत या अपात्र नामों की पहचान हो सके।

अंतिम संस्कार को लेकर 5 घंटे हंगामा,बजरंग दल कार्यकर्ता भी पहुंचे

धमतरी। जिले के भटगांव के मजराटोला में धर्मांतरित महिला के अंतिम संस्कार को लेकर रविवार को विवाद की स्थिति बन गई। धर्मांतरण के आरोपों के बीच समाज के लोगों ने अंतिम संस्कार में शामिल होने से इनकार कर दिया। गांव में करीब्रुब पांच घंटे तक हंगामा चलता रहा। परिजनों की सहमति से धार्मिक रीति-रिवाज मानने के लिए तैयार हुए , जिसके बाद ग्रामीणों ने महिला के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए अनुमति दी। मामला धमतरी शहर से करीब 6 किलोमीटर दूर भटगांव के मजराटोला का है। बताया जा रहा है कि 3 अक्टूबर की रात सुरेश साहू की पत्नी सरस्वती की मौत हो गई थी। रविवार सुबह परिवार अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था, इसी दौरान समाज के लोगों ने परिवार के धर्मांतरण का हवाला देते हुए अंतिम संस्कार में शामिल होने से इनकार कर दिया। इसके बाद गांव में बैठक हुई और अंतिम संस्कार को लेकर काफी देर तक चर्चा चलती रही। मामला शांत होने के बाद महिला का अंतिम संस्कार गांव के शांति घाट में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार किया गया। गांव के सरपंच फांगूराम साहू ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला मजराटोला का है और अंतिम संस्कार गांव में ही कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सुरेश ध्रुव का परिवार पिछले चार साल से ईसाई धर्म अपनाया था। अब दोबारा नहीं जाने की बात कही है। सुरेश को गंगा जल पिलाया गया और तिलक लगाकर घर वापसी कराई गई। इसके बाद उसकी पत्नी का अंतिम संस्कार किया गया।

मानसून की विदाई के बीच छत्तीसगढ़ में बढ़ी गर्मी, जल्द रातें होंगी और ठंडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई का दौर जारी है। कई हिस्सों से इसकी विदाई हो चुकी है। मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे गर्मी का अहसास हो रहा है। आने वाले दिनों में रात के वक्त ठंडक बढ़ के संकेत है। दिन में तेज धूप बेहाल कर सकती है। वर्तमान में कोई स्ट्रांग सिस्टम सक्रिय नहीं है। आमागी दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों मं मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर में 5 अक्टूबर को आसमान मुख्यत: साफ रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश का मौसम पूरी तरह शुष्क रहा।

मानसून की विदाई के बीच छत्तीसगढ़ में बढ़ी गर्मी, जल्द रातें होंगी और ठंडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई का दौर जारी है। कई हिस्सों से इसकी विदाई हो चुकी है। मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे गर्मी का अहसास हो रहा है। आने वाले दिनों में रात के वक्त ठंडक बढ़ के संकेत है। दिन में तेज धूप बेहाल कर सकती है। वर्तमान में कोई स्ट्रांग सिस्टम सक्रिय नहीं है। आमागी दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों मं मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर में 5 अक्टूबर को आसमान मुख्यत: साफ रहने की संभावना है।

आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया

शादी का झांसा देकर 14 वर्षीय बालिका को ले जा रहा था ओडिशा, आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ रायगढ़



महिला एवं बच्चों के उत्पीड़न और शोषण से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए रायगढ़ जिले में चलाए जा रहे ÷अभियान संवेदना÷ के तहत तमनार पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गुम 14 वर्षीय बालिका को सकुशल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बालिका को शादी का झांसा देकर अपने साथ ओडिशा की ओर ले जा रहा था। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोपी को पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, 30 सितंबर 2026 को तमनार थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपनी 14 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 251/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - सिंगापुर के निवेशकों को छत्तीसगढ़ आने का न्योता, साय ने गिनाईं संभावनाएं मोबाइल और सोशल मीडिया से मिला सुराग मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक प्रशांत राव ने पुलिस टीम को तत्काल बालिका की तलाश में लगाया। टीम ने बालिका के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और उसकी करीबी सहेलियों से मिली जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि बालिका की गांव में नल-जल योजना के तहत मजदूरी करने आए नशरूल आलम नाम के युवक से बातचीत होती थी। पुलिस ने नशरूल का मोबाइल नंबर हासिल कर उससे संपर्क किया। आरोप है कि पूछताछ के दौरान वह लगातार गोलमोल जवाब देता रहा। इसी दौरान फोन पर बातचीत करते समय पुलिसकर्मियों को पीछे से ट्रेन की आवाज सुनाई दी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य जानकारियों को मिलाकर आशंका जताई कि आरोपी बालिका को ट्रेन से ओडिशा की ओर लेकर जा रहा है। टीम सड़क मार्ग से टाटानगर पहुंची, लेकिन वहां जानकारी मिली कि आरोपी और बालिका कुछ समय पहले ही आगे निकल चुके हैं। पुलिस ने दोनों की तलाश जारी रखी। इसी दौरान रास्ते में पुलिस को गुम बालिका और संदिग्ध नशरूल आलम दिखाई दिए। पुलिसकर्मी सादी वर्दी में थे। थाना प्रभारी ने उन्हें रुकने के लिए आवाज दी तो नशरूल को पुलिस के पहुंचने का संदेह हो गया और वह भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया और काफी दूर तक दौड़ लगाने के बाद आरोपी को पकड़ लिया। बालिका को भी सुरक्षित पुलिस संरक्षण में लिया गया और दोनों को थाना लाया गया।आरोप है कि युवक ने उसे शादी का प्रलोभन दिया और उसका शारीरिक शोषण किया। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया।

अबूझमाड़ में बदलाव की नई इबारत



जहां 15 साल रहा सुरक्षा कैंप, अब वहीं संवर रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ में बदलाव की एक नई और उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस परिसर में करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा बलों का कैंप संचालित होता रहा, आज उसी परिसर में दूरस्थ आदिवासी गांवों के बच्चे रहकर अपने बेहतर भविष्य की तैयारी कर रहे हैं। बस्तर संभाग में अपनी तरह की इस पहली पहल के तहत पुराने सुरक्षा कैंप को जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रावास और शिक्षा से जुड़े केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कभी सुरक्षा और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला यह परिसर अब शिक्षा, अवसर और नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण का आधार बन गया है। यह केवल किसी पुराने भवन का नया उपयोग नहीं, बल्कि उस बदलते अबूझमाड़ की कहानी है, जहां विकास की प्राथमिकताएं सुरक्षा से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और नई पीढ़ी के लिए अवसरों के विस्तार तक पहुंच रही हैं।

करीब 15 वर्षों तक यहां सुरक्षा बल तैनात रहे। क्षेत्र में परिस्थितियां बदलने के बाद परिसर खाली हुआ तो जिला प्रशासन ने इसे अनुपयोगी छोड़ने के बजाय बच्चों की शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया। कलेक्टर नम्रता जैन की पहल पर इस परिसर को उन जनजातीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के रूप में विकसित किया गया, जो दूरस्थ और दुर्गम गांवों से पढ़ने आते हैं। लंबी दूरी और आवास की सुविधा नहीं होने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए नियमित पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था। 11 अगस्त 2026 से यहां विद्यार्थियों के लिए आवासीय व्यवस्था शुरू की गई। इसके साथ ही जिस परिसर की पहचान कभी सुरक्षा कैंप के रूप में थी, उसकी भूमिका पूरी तरह बदल गई।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - मवेशी तस्करी के दो मामलों में 6 गिरफ्तार, 13 मवेशी और 3 पिकअप जब्त एक ही परिसर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के बच्चों को सहारा भाटपाल के पूर्व सुरक्षा कैंप परिसर में वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं। प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में कक्षा 6वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान में यहां 114 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले इन बच्चों को विद्यालय के समीप सुरक्षित आवास मिलने से उनकी नियमित शिक्षा की राह आसान हुई है। यह व्यवस्था एजुकेशन सिटी कुतुल आवश्यकता को भी पूरा कर रही है। विशेष रूप से पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास की शुरुआत उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जिन्हें दसवीं के बाद आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय के आसपास निजी आवास तलाशना पड़ता था। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। अब छात्रावास मिलने से के लिए अनुकूल वातावरण भी मिल रहा है।

राष्ट्रीय अधिवेशन में सामाजिक एकजुटता और समाज हित पर हुआ मंथन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महाराष्ट्र के बीड में आयोजित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक और सामान्य सभा में मुख्य अतिंथि के रूप में शामिल हुए। देशभर से आए पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के विकास और सामाजिक हित पर चर्चा की।



श्री साव ने वहां काकू स्मृति स्थल में स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर 'केशर काकू' को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया। श्री साव ने कहा कि तैलिक समाज अपने परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश का प्रतिष्ठित और व्यापक समाज है। हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज को प्रभावी रूप से जोर देना चाहिए। इस तरह के मंच संवाद और सहभागिता को मजबूत करते हैं।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - मवेशी तस्करी के दो मामलों में 6 गिरफ्तार, 13 मवेशी और 3 पिकअप जब्त केशर काकू को दी श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर में श्री साव ने स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर %केशर काकू% के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्री साव ने ÷केशर काकू÷ को समाज के नींव के रूप में स्मरण किया। केशर काकू महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तैलिक समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व के दौरान उन्होंने देशभर की इकाईयों को एक छत के नीचे एकजुट कर समाज के उत्थान में हर वर्ग को किस तरह अपनी भूमिका निभानी चाहिए, इस पर जोर दिया। समाज की महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर समाज के हित में कार्य करने प्रेरित किया। श्री साव ने केशर काकू की स्मृति में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। श्री साव ने कहा कि महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केशर काकू ने संगठन को मजबूत बनाने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इससे सभी पदाधिकारियों को सीखना चाहिए। वर्तमान में उनके सुपुत्र महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री श्री जयदत्त क्षीरसागर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका निभाते हुए समाज को एकजुट कर बेहतर कार्य कर रहे हैं?। केशर काकू के कार्यों और संकल्पों को पूरा करने का कार्य जयदत्त क्षीरसागर कर रहे हैं। सामान्य सभा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने पर चर्चा अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की सामान्य सभा में श्री साव ने वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ सहभागिता की। इस दौरान समाज के विकास और सामाजिक हित के विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक एकजुटता और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने पर विचार मंथन किया गया।

सेवा संकल्पकी अनूठी मिसाल:

छोटेडोंगर और कोहकामेटा के सेवा सेतु शिविरों में 331 ग्रामीण हुए लाभान्वित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं आकांक्षी जिले नारायणपुर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान% के तहत प्रशासनिक मुस्तैदी का एक सशक्त और सराहनीय रूप देखने को मिला। कलेक्टर के संवेदनशील मार्गदर्शन में जिले के छोटेडोंगर और कोहकामेटा में ब्लॉक स्तरीय %सेवा सेतु शिविरों% का आयोजन संपन्न हुआ। ग्रामीणों को अपने छोटे-बड़े शासकीय कार्यों के लिए दूर न जाना पड़े, इसी सोच के साथ आयोजित इन शिविरों ने एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की सेवाओं का संगम स्थापित किया, जहाँ दिन भर में कुल 331 ग्रामीणों को सीधे लाभान्वित कर प्रमाण-पत्र और स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

यहाँ सबसे भावुक और खुशी का क्षण वह रहा जब प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 35 परिवारों को उनके सपनों के पक्के मकान की चाबियां सौंपी गईं। इसके साथ ही राजस्व विभाग ने 47 मामलों का निपटारा किया, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने राशन कार्ड से जुड़े 39 प्रकरणों को हल करते हुए 18 पात्र वृद्धों व असहायों को पेंशन स्वीकृति पत्र प्रदान किए। कृषि विभाग ने फसल बीमा से जुड़े 11 किसानों को प्रमाण-पत्र सौंपे, श्रम विभाग ने 5 श्रमिकों को उनके कार्ड दिए और उद्यानिकी विभाग ने भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया। इस अवसर पर जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट सेवा देने वाली 40 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर उनका सम्मान भी किया गया।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - मवेशी तस्करी के दो मामलों में 6 गिरफ्तार, 13 मवेशी और 3 पिकअप जब्त?दूसरी ओर, कोहकामेटा के विकासखंड स्तरीय शिविर में स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष जोर रहा, जहाँ कुल 132 ग्रामीणों को त्वरित राहत मिली।

नई शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई

बलौदाबाजार में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आगाज

एक सत बुलेटिन ➤ बलौदाबाजार



बलौदाबाजार स्थित पं. चक्रपाणि शुक्ल हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में शनिवार को 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में खेल एवं राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा और राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न संभागों से पहुंचे खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने उद्घाटन समारोह में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। प्रतियोगिता में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से आए खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।खेल को जीवन का जरूरी हिस्सा बनाने की अपील उद्घाटन समारोह में मौजूद सैकड़ों खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने खेल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों से कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ शरीर और मजबूत मानसिकता के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जिस दिन हर बच्चा यह तय कर लेगा कि उसके जीवन में खेलना जरूरी है, उस दिन वह जीवन में किसी न किसी रूप में जरूर सफलता हासिल करेगा। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल के मैदान में भी समय देने की सलाह दी। सांसद ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबों के साथ खेल भी जरूरी है।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - मवेशी तस्करी के दो मामलों में 6 गिरफ्तार, 13 मवेशी और 3 पिकअप जब्त मैदान बचाने और नए मैदान बनाने पर जोर बृजमोहन अग्रवाल ने बच्चों के खेलने के लिए लगातार कम होते स्थानों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कोचिंग, ट्यूशन और पढ़ाई के बढ़ते दबाव के कारण बच्चों का खेलों से जुड़ाव कम हो रहा है। ऐसे में स्कूलों और गांवों में पर्याप्त खेल मैदान उपलब्ध कराना जरूरी है। उन्होंने मंच से जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि जिले के स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों के खेल मैदानों का डीएमएफ सहित अन्य मदों से समतलीकरण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों के खेल मैदानों में जरूरत से ज्यादा पेवर ब्लॉक या कंक्रीट का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कम से कम 10 हजार वर्गफीट से अधिक क्षेत्र में मिट्टी के मैदान सुरक्षित रखने पर जोर दिया, ताकि बच्चे सुरक्षित तरीके से खेल सकें और उन्हें पर्याप्त जगह मिल सके।द्यह्यश्र क्रह्लड्डुस्त्र - विश्व पर्यावास दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में छत्तीसगढ़ पुरस्कृत खिलाड़ियों की उपलब्धियों का किया उल्लेख पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए सांसद ने कहा कि करीब 15 साल पहले प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में कई बच्चे बिना जूते-मोजे या चप्पल के हिस्सा लेने पहुंचते थे। आज खिलाड़ियों को रंग-बिरंगी जर्सी और बेहतर खेल किट में पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरते देखकर खुशी होती है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में 248 प्रतिभावान खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर सीधी सरकारी नौकरी दी गई थी। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में खिलाड़ियों को बोनस अंक देने की शुरुआत भी की गई थी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की बेटी और वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी ज्ञानेश्वरी यादव सहित भारतीय महिला क्रिकेट और हॉकी टीमों की उपलब्धियों का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों को देश और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। ध्यान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि दूर-दराज से आने वाले बाल खिलाड़ियों को भोजन, आवास और परिवहन से संबंधित किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आयोजन से जुड़े अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने को कहा। पांच संभागों के 480 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा से कुल 480 बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रत्येक जोन से 48 बालक और 48 बालिकाएं प्रतियोगिता में शामिल हैं। खिलाड़ी कुराश, रग्बी और नेटबॉल जैसी खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों के साथ 50 से अधिक कोच, पीटीआई और रेफरी भी प्रतियोगिता में पहुंचे हैं। और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी व नागरिक मौजूद रहे।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक / मुद्रक, संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा प्रकाशन स्थल 201 मिलन चौक कुडूदंड बिलासपुर छत्तीसगढ़ पिन 495001 से प्रकाशित एवं भारत प्रेस, ब्लॉक 9 प्रेस कॉम्प्लेक्स अग्रदूत भवन रजबंधा मैदान रायपुर छत्तीसगढ़ पिन 492001 से मुद्रित।
समूह संपादक महेश कुमार तिवारी। ईमेल eksatbulletin@gmail.com Mobile 9893311784 RNI / PRGI : CHHHIN/2023/89796